राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 18 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–267 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जाट समाज विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 28 अक्टूबर को जयपुर में करेगा अधिवेशन

जयपुर। राजस्थान जाट महासभा राज्य में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने को लेकर 28 अक्टूबर को महासभा का विशेष अधिवेशन आयोजित करेगा। महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने बताया कि इसमें महासभा के राज्य भर से पदाधिकारी भाग लेंगे और इसमें विधानसभा चुनाव को लेकर जाट समाज की भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण फैसले लिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा जाट समाज की लगातार उपेक्षा की जा रही है और विधानसभा चुनाव 2018 में कांग्रेस पार्टी द्वारा जाट समाज को वर्ष 2013 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले छह टिकटे कम दी गई थी। उन्होंने कहा कि अगर जाट समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया तो समाज कड़ा फैसला लेने के लिए मजबूर होगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले पांच साल में जाट समाज को हासिये पर धकेलेने की पूरी कोशिश की गई हैं, चाहे ओबीसी आरक्षण में विसंगति को हटाने में देरी के संबंध में हो या उस विसंगति के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए शेडोपोस्ट की मुख्य मांग को दरकिनार के संबंध में हो, लगातार देखा जा रहा है कि समाज के खिलाफ षड़यंत्र करने वालों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

श्री मील ने कहा कि राज्य में जाट समाज की 20 प्रतिशत जनसंख्या है तथा समाज हमेशा से कांग्रेस के साथ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों हुए जाट महाकुंभ में हमारी मुख्य मांग थी कि जिनकी जितनी भागीदारी उनकी उतनी हिस्सेदारी के फार्मूले से जाट समाज को 40-40 सीटे दोनों मुख्य पार्टियों द्वारा दी जाये। उन्होंने कहा कि हालांकि भाजपा द्वारा लगातार सीटों में बढ़ोत्तरी के बावजूद पूरा कोटा नहीं दिया जा रहा है। इन सब मुद्दों पर चर्चा के लिए महासभा का अधिवेशन आयोजित किया जायेगा।

कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी

25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, बेटियों को 251000 देने का 'वचन', प्रदेश की आइपीएल टीम बनाएंगे

भोपाल। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस अपना वचन पत्र मंगलवार दोपहर जारी किया। इसमें युवा, महिला और किसानों पर फोकस किया गया। महिलाओं के लिए प्रियदर्शिनी नाम से अलग से प्रविधान किए गए हैं। पार्टी की ओर से घोषित गारंटियों को शामिल करते हुए वचन पत्र को अंतिम रूप दिया गया है। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ, महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और वचन पत्र समिति के अध्यक्ष डा. राजेंद्र कुमार सिंह, दिग्विजय सिंह, कांतिलाल भूरिया, विवेक तन्खा समेत अनेक नेता पीसीसी दफ्तर में मौजूद हैं।

इन बातों का 'वचन'-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने पार्टी के वचन पत्र विमोचन के मौके पर कहा कि कांग्रेस का चुनाव में नारा रहेगा 'कांग्रेस आएगी खुशहाली लाएगी'। कांग्रेस सरकार ढाई हजार रुपए प्रति क्विंटल धान और गेहूं 2600 क्विंटल की दर पर खरीदेंगे। उपज का 3000 की क्विंटल देने का मिशन। 2 रुपये किलो की दर से गोबर खरीदा जाएगा। नंदिनी योजना प्रारंभ होगी। 2 लाख पदों पर भर्ती की जाएगी। युवा स्वाभिमान योजना प्रारंभ होगी 1500 से 3000 रुपये तक दिए जाएंगे। 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा देंगे स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनाया जाएगासामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना 1200 रुपये प्रतिमाह की जाएगी। मेरी बेटी योजना में 251000 रुपये दिए जाएंगे। आइपीएल में मध्य प्रदेश की टीम बने, इसका प्रयास किया जाएगा। आउटसोर्सिंग

कर्मचारी के साथ न्याय होगा।

वचन पत्र में ये प्रविधान-इससे पहले प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि वचन पत्र में महिलाओं के लिए जो प्रविधान किए गए हैं, उन्हें अलग से प्रियदर्शिनी नाम से प्रदर्शित किया गया है। पार्टी ने महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह और पांच सौ रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देने की घोषणा की है। एक करोड़ से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली निश्शुल्क और 200 यूनिट आधी दर पर देने, कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू करने, किसानों को कर्ज माफी देने, पांच हार्सपावर तक के कृषि पंप के लिए निश्शुल्क बिजली, पुराने बिजली बिल की माफी, सिंचाई के लिए 12 घंटे बिजली देने, पुराने प्रकरणों की वापसी, स्कूली बच्चों को प्रतिमाह 500 से 1,500 रुपये देने के लिए पढ़ो पढ़ाओ योजना, आदिवासियों के ऊपर दर्ज प्रकरणों की वापसी, 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या वाली आदिवासी बहुल क्षेत्रों को छठवीं अनुसूची में शामिल करने, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलवाने और सरकार में आने पर जाति आधारित गणना कराने की गारंटी भी दी गई है।

मैं कमल नाथ के लिए विष पीने को तैयार - दिग्विजय सिंह

कांग्रेस वचन पत्र के विमोचन कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ और सांसद दिग्विजय सिंह आजू-बाजू में बैठे। इस अवसर पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं कमल नाथ के लिए विष पीने के लिये तैयार हूं। उधर कमल नाथ ने भी दिग्विजय से मतभेद की अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि कि दिग्विजय सिंह से मेरा राजनीतिक संबंध नहीं, बल्कि पारिवारिक संबंध है।

शिवराज ने दी यह प्रतिक्रिया

कांग्रेस का वचन पत्र जारी होने से पहले सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस के वचनों को लेकर कहा कि कांग्रेस के वचनों में कितना दम है? मध्यप्रदेश की जनता यह अच्छे से जानती है।

मेरठ में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, चार मरे और दो घायल

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र में मंगलवार सुबह अवैध रूप से संचालित एक पटाखा फैक्ट्री में हुये भीषण विस्फोट में चार श्रमिकों की मृत्यु हो गयी जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि लोहिया नगर स्थित एक बंद पड़े मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री चलाई जा रही थी। आज सुबह अचानक जोरदार विस्फोट के बाद मकान का ऊपरी हिस्सा गिर गया और आग लग गई।

उन्होने बताया कि इस हादसे में दो श्रमिकों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी जबकि दो अन्य ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। विस्फोट से घायल एक अन्य की हालत भी गंभीर बनी हुयी है। इस बीच राहत एवं बचाव कार्य में लगा एक जेपीसी चालक मलबे का एक हिस्सा गिरने से घायल हुआ है। मृतकों की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विस्फोट इतना भीषण था कि आस पास के मकान और एक स्कूल की खिड़कियों के शीशे तक टूट गये, जिससे अफरा तफरी मच गई। इसके अलावा पास से गुजरने वाली बिजली की हाई वोल्टेज 33 हजार की लाइन के खंभे भी टेढ़े हो गये। पुलिस ने बताया कि यह मकान संजय गुप्ता का है और गौरव त्यागी नामक व्यक्ति ने उसे किराये पर ले रखा था। मौके से भारी संख्या में पटाखे बरामद किया गया हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

> ● जिलाधिकारी दीपक मीणा ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि लोहिया नगर स्थित एक बंद पड़े मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री चलाई जा रही थी।

जनता का भरोसा तोड़ा...

निठारी मामले में हाई कोर्ट ने सीबीआई को 'लताड़ा', मासूमों का कातिल कौन ?

प्रयागराज। नोएडा के निठारी कांड में दोषी पाए गए सुरेंद्र कोली और मनिंदर सिंह पंढेर को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बरी करते हुए फांसी की सजा रद्द कर दी है। हाई कोर्ट ने सीबीआई और नोएडा पुलिस की जांच पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर अमानवीय तरीके हुई मासूमों की हत्याओं की जांच करने में इतनी गड़बड़ियां क्यों की गईं? कोर्ट ने कहा कि सबूतों को इकट्ठा करने के नियमों को बेशर्मी से तोड़ा गया। बता दें कि सुरेंद्र कोली कौ 12 मामलों में बरी किया गया है।

हाई कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने जनता का भरोसा तोड़ा है। सैयद आफताब हुसैन रिजवी और जस्टिस अश्वनी मिश्रा की पीठ ने कहा कि इस तरह के गंभीर मामले में भी जांच एजेंसियां सबूत देने में नाकाम रहीं। इस मामले में गिरफ्तारी का तरीका, सबूतों को इकट्ठा करना और फिर जुर्म कबूल करवाने की प्रक्रिया गलत थी। बता दें कि इस मामले में सुरेंद्र कोली के साथ उसका घरेलू नौकर पंढेर आरोपी था। कोर्ट ने कहा, ऐसा लगता है कि जांच एजेंसियों को एक गरीब नौकर को फंसाना ज्यादा आसान लगता था। अंग तस्करी जैसे गंभीर मामले की जांच बेहद ढिलाई के साथ की गई और पर्याप्त सबूत नहीं इकट्ठा किए गए।

क्या था निठारी कांड

सीबीआई का कहना था कि कोली ने रेप और मर्डर की बात कबूली थी। सीबीआई ने कहा था कि कोली ने यह भी माना कि वह मानव मांस खाता

था। बता दें कि 2006 में सामने आए निठारी कांड ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। नोएडा के पास निठारी गांव में मोनिंदर पढेंर के घर पर हत्याएं हुई थीं। कोली और पंढेर पर 31 बच्चों की हत्या के आरोप लगे थे। इसमें 10 लड़कियां भी शामिल थीं। मोनिंदर के घर के पीछे के नाले से 19 नरकंकाल मिले थे। इसके बाद 2006 में कोलीऔर पंढेर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। 2017 में पिंकी की हत्या और रेप के मामले में कोली औरपंढेर को दोषी ठहराया गया। रिंपा हलदर की हत्या के मामले में कोली को 2015 में फांसी की सजा को उम्रकैद में तब्दील कर दिया गया था।

जनता के साथ धोखा: हाई कोर्ट

हाई कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एजेंसियों का तर्क बदलता रहा है। महिला और बाल विकास मंत्रालय की कमिटी की सिफारिशों के बावजूद जांच में ढिलाई की गई। यह जनता के साथ धोखा है। हाई कोर्ट ने कहा कि पुलिस और सीबीआई ने पंढेर और कोली को यातनाएं दीं। 60 दिन की रिमांड कके दौरान बिना मेडिकल एग्जामिनेश और कानूनी सहायता उपलब्ध करवाए उनसे जुर्म कबूल करवाया गया। बता दें कि कोली को पांच अलग मामलों में भी फांस की सजा सुनाई गई थी लेकिन दो बार वह बच गया। कोली ने राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के सामने दया चाचिका भी रखी थी जो कि रिजेक्ट कर दी गई थी। हालांकि बाद में हाई कोर्ट ने उसकी सजा को उम्रकैद में तब्दील कर दिया।

पंजाब सासंद विक्रमजीत साहनी बोले

कनाडा में भारतीय प्रवासियों को दिया जाए वीजा

नई दिल्ली। पंजाब से राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत साहनी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से कनाडा में भारतीय मूल के लोगों के लिए वीजा सेवा दोबारा शुरू करने का अनुरोध किया है। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की भूमिका होने का आरोप लगाने के बाद से राजनयिक विवाद खड़ा हो गया था। भारत ने आरोप को खारिज करते हुए सितंबर में अगले आदेश तक कनाडा में वीजा सेवा पर रोक लगा दी थी। राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत साहनी ने कहा कि कनाडा में कई प्रवासियों के पास ओवरसीज सिटीजन आफ इंडिया (ओसीआइ) कार्ड नहीं है। उन्हें पारिवारिक परेशानियों के बावजूद भारत का वीजा प्राप्त करने में असमर्थता के संबंध में कनाडा में रह रहे भारतीय प्रवासियों विशेष रूप से पंजाबियों के अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। पंजाब के हर

दूसरे घर का कोई न कोई सदस्य कनाडा में है। वीजा नहीं मिलने से कनाडाई भारतीय प्रवासियों को दिक्कत हो रही है।

21 अक्टूबर को इसरो लॉन्च करेगा पहली परीक्षण उड़ान, अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा होगी सुनिश्चित

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि गगनयान मिशन के तहत 21 अक्टूबर को परीक्षण उड़ान लांच करेगा। टेस्ट व्हीकल अबार्ट मिशन-1 (टीवी-डी 1) के साथ क्रू एस्केप सिस्टम का इनफ्लाइट एबार्ट टेस्ट किया जाएगा। इसका उद्देश्य गगनयान मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। परीक्षण के दौरान माड्यूल को अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा। इसके साथ इसे पृथ्वी पर वापस लाकर बंगाल की खाड़ी में उतारा जाएगा। गगनयान मिशन के तहत तीन अंतरिक्षयात्रियों के दल को 400 किमी की कक्षा में ले जाया जाएगा। इसके बाद उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाकर भारत मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करेगा।

इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया,

मिशन गगनयान

टीवी-डी1 परीक्षण उड़ान 21 अक्टूबर, 2023 को सुबह सात बजे से नौ बजे के बीच एसडीएससी-एसएचएआर, श्रीहरिकोटा से निर्धारित है। इससे पहले इसरो प्रमुख सोमनाथ ने शनिवार को कहा था, पहली परीक्षण उड़ान के बाद हमने तीन और परीक्षण मिशनों, डी2, डी3, डी4 की योजना बनाई है।

आर. प्रगनानंद विज्ञान व प्रौद्योगिकी को देंगे बढ़ावा

इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि शतरंज ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनानंद युवाओं के बीच विज्ञान व प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए इसरो के साथ काम करेंगे। उन्होंने युवा शतरंज खिलाड़ी प्रगनानंद से उनके आवास पर मुलाकात के बाद कहा, हमें गर्व है कि हमारे पास एक प्रज्ञान चंद्रमा पर है और जमीन पर प्रगनानंद हैं।

हमने भारत के लिए जो चंद्रमा पर किया है, वह उन्होंने धरती पर किया है। मुझे खुशी है कि प्रगनानंद भारत को गौरवशाली व शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए हमारे साथ मिलकर युवाओं को पाठ्यक्रम में विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विषय लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

LGBT समुदाय को झटका

सुप्रीम कोर्ट का समलैंगिक विवाह को मंजूरी से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सेम सेक्स मैरिज या समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया है। 5 जजों की पीठ ने यह फैसला सुनया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस हिमा कोहली, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल रहे। खास बात है कि बेंच ने पहले ही साफ कर दिया है कि यह मामला स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 के दायरे में रहेगा। कोर्ट ने 11 मई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। फैसले में जस्टिस कोहली, जस्टिस भट्ट और जस्टिस नरसिम्हा की राय CJI चंद्रचूड़ और जस्टिस कौल से अलग रही। पेमे में मामला 3-2 को हो गया और अदालत ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया। 3-2 के साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि नॉन हेट्रोसेक्शुल को साझा रूप से बच्चा गोद लेने की अनुमति नहीं दे सकते। पांचों न्यायाधीशों में से चार ने अलग-अलग फैसला सुनाया। इनमें सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस कौल शादी को मान्यता देने के पक्ष में नजर आए। वहीं, जस्टिस भट्ट, जस्टिस कोहली और जस्टिस नरसिम्हा ने इसे मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती। जब शादी का अधिकार सिर्फ वैधानिक होता है और मौलिक नहीं, तो इसे कानूनी तौर पर लागू नहीं किया जा सकता। मंगलवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश

ने साफ कर दिया है कि अदालत की तरफ से कानून नहीं बनाया जा सकता और विशेष विवाह अधनियिम में बदलाव का अधिकार संसद के पास है। खास बात है कि कोर्ट ने पहले ही साफ कर दिया था कि समलैंगिक विवाह स्पेशल मैरिज एक्ट के ही दायरे में रहेगी। CJI ने कहा कि यह संसद को देखना होगा कि SMA में बदलाव की जरूरत है या नहीं। उन्होंने कहा, यह अदालत कानून नहीं बना सकती। यह केवल उसके बारे में बता सकती है और उसे प्रभाव में ला सकती है। उन्होंने बताया कि अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का बयान रिकॉर्ड कर लिया है, जिसमें उन्होंने क्वीर यूनियन में शामिल लोगों के अधिकार तय करने के लिए समिति गठित करने की बात कही थी। उन्होंने इस दौरान सरकार को भी समलैंगिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाने के निर्देश सरकार को दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस को भी समलैंगिक जोड़े के खिलाफ उनके रिश्ते को लेकर शुरुआती जांच के बाद ही स्न्नढ्ढक्र दर्ज करनी होगी। उन्होंने कहा कि समलैंगिकता शहरी या अपर क्लास तक सीमित नहीं है। अपने फैसले में सीजेआई ने कहा कि मौजूदा कानूनों के तहत हेट्रोसेक्शुअल संबंधों (हेट्रोसेक्शुअल यानी ऐसा रिश्ता जिसमें शामिल व्यक्ति विपरीत लिंग की ओर आकर्षित होता है) में शामिल ट्रांसजेंडर को शादी करने का अधिकार होता है। उन्होंने कहा कि क्वीर कपल समेत अविवाहित लोग साझा तौर पर बच्चे को गोद भी ले सकते हैं। अब तक अविवाहित जोड़े के बच्चा गोद लेने पर रोक थी। जस्टिस एसआर भट्ट CJI के फैसले से असहमत नजर आए और उन्होंने कहा कि कानूनी शादी का अधिकार सिर्फ अधिनियमित कानून के जरिए ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह सीजेआई की कुछ बातों से सहमत और कुछ से असहमत हैं। उन्होंने कहा कि अदालत को इस मामले में संयम रखना चाहिए और इसका फैसला बहस और चर्चा के जरिए संसद पर छोड़ देना चाहिए। इस मामले में अंतिम फैसला सुनाने आए जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि शादी का अधिकार सिर्फ वैधानिक अधिकार है। यह संवैधानिक अधिकार नहीं है।

20 से ज्यादा याचिकाएं शीर्ष न्यायालय में दाखिल हुई थीं, जिसमें समलैंगिक विवाह को कानून के तहत मंजूरी देने की मांग की गई थी। याचिका दाखिल करने वालों में सेम सेक्स कपल्स, सामाजिक कार्यकर्ता और कुछ संगठन थे। उन्होंने SMA, हिंदू मैरिज एक्ट, फॉरेन मैरिज एक्ट और विवाह से जुड़े अन्य कानूनों के प्रावधानों को चुनौती दी थी कि ये समलैंगिक जोड़ों को मौजूदा कानूनी व्यवस्था के तहत शादी के अधिकार नहीं देते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

निठारी और न्याय

नोएडा में हुए निठारी हत्याकांड के आरोपियों को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बरी कर दिया। यह केंद्रीय जांच ब्यूरो की उदासीनता का नतीजा है या न्याय की जीत? उच्च न्यायालय में सीबीआई इस मामले में अकाट्य सुबूत पेश नहीं कर पाई। आरोपियों- सुरिंदर कोली और उसके नियोक्ता मोनिंदर सिंह पंढेर को साल 2005-2006 के निठारी सिलसिलेवार हत्याओं के लिए गिरफ्तार किया गया था और निचली अदालत ने दोनों को फांसी की सजा सुनाई थी। दोनों आरोपियों ने उच्च न्यायालय में फांसी की सजा को चुनौती दी थी और अब न्यायालय ने न केवल फांसी की सजा को खत्म कर दिया है, बल्कि दोनों को बरी भी कर दिया है। निठारी कांड के पीड़ितों में नाराजगी है और उनके वकील ने भी सीबीआई पर सवाल उठाए हैं। निचली अदालत की सजा को कायम रखने के लिए उच्च न्यायालय में भी सीबीआई को अकाट्य प्रमाण पेश करने चाहिए थे, पर दलीलों व सुबूतों में संदेह की गुंजाइश इतनी ज्यादा रही कि आरोपियों को बचने का रास्ता मिल गया। निठारी के आरोपियों के बरी होने से इस धारणा को बल मिला है कि पीड़ित चूंकि गरीब हैं, इसलिए उनके साथ न्याय नहीं हो पाता है। ज्यादातर पीड़ित बंगाल व बिहार से आए मजदूर परिवार से ताल्लुक रखते थे। कई बच्चियों, बच्चों और महिलाओं की जान निठारी कांड में गई थी, लेकिन अब दोनों आरोपियों के बरी होने के बाद क्या पुलिस और सीबीआई फिर इस 17 साल पुराने मामले की जांच कर पाएगी? वैसे कायदा तो यही है कि सीबीआई को सर्वोच्च न्यायालय में अकाट्य सुबूतों के साथ पेश होना चाहिए। क्या उन सुबूतों में कोई दम नहीं था, जिनके आधार पर निचली अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी? निठारी कांड में नौकर कोली को 12 मामलों में, जबकि मालिक पंढेर को दो मामलों में मौत की सजा सुनाई गई थी। एक समय यह भी धारणा बन रही थी कि नौकर ने ही तमाम हत्याओं को अंजाम दिया है। खैर, निचली अदालत ने दोनों को ही दोषी माना था, पर अब उनके बरी होने के बाद अनेक सवाल खड़े हो गए हैं। आखिरी निठारी कांड का पूरा सच क्या है? निठारी गांव के नाले में मानव कंकाल कैसे मिले थे? कोली तो बार-बार यही कह रहा था कि जांचकर्ताओं ने उसे फंसाया है और शुरुआती इकबालिया बयान के आधार पर ही पुलिस ने मामला बनाया था। यह बात सर्वविदित है कि पुलिस के सामने इकबालिया बयान का अदालत में कोई खास महत्व नहीं होता है। अदालतें आमतौर पर यह मानकर चलती हैं कि पुलिस दबाव डालकर बयान लिखवाती है। पुलिस या जांच एजेंसियों की असली परीक्षा तब होती है, जब अदालत में सुनवाई शुरू होती है। यह दुखद है कि सीबीआई नाकाम रही है। किसी भी एजेंसी के लिए केवल आरोप लगाने या चलाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है, अकाट्य सुबूत के आधार पर उनको प्रमाणित करना। वैसे यह कोई पहला मामला नहीं है, जिसमें देश की एक प्रमुख जांच एजेंसी अपराध को साबित करने में नाकाम रही है। साल 2008 के आरुषि तलवार दोहरे हत्याकांड में भी जांच एजेंसी कातिलों को खोज नहीं पाई। बोफोर्स, हवाला, 2-जी स्पेक्ट्रम, कोयला घोटाला, बेल्लारी अवैध खनन घोटाला भी ऐसे कुछ ज्वलंत मामले हैं, जिनमें जांच एजेंसी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। निठारी कांड भी प्रमुख जांच एजेंसी की नाकामियों में शुमार न होने पाए, इसके लिए पुख्ता प्रयास किए जाने की जरूरत है, तभी जांच एजेंसी अपने प्रति लोगों के विश्वास को बढ़ा पाएगी।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

अंत : शुद्धि का महापर्व है नवरात्रि

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

नवरात्रि हिन्दू धर्म के लोगो द्वारा मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री। वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी-समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं। शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुत- नवरात्र अंतःशुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

विधानसभा चुनाव : फेस तो फेस लड़ने का मौसम

(लेखक- राकेश अचल)

देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के लिए परिदृश्य अब कुछ-कुछ उभरने लगा है। इन पांच में से चार राज्यों में सभी प्रमुखदलों ने अपने-अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए है, जो बाकी हैं वे भी आज-कल में सामने आ जायेंगे।। इससे अब मतदाताओं को अपना मन बनाने में सुविधा होगी। अब बचे-खुचे दिन मतदाताओं को रिझाने और रूठों को मनाने में खर्च किये जायेंगे। इस बीच मौसम ने भी करवट बदली है और हवा में गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। मौसम का रंग और चुनावी रंग त्यौहारों के रंग से मुकाबला करता नजर आ रहा है।

इन विधानसभा चुनावों में सभी राजनीतिक दलों में मुख्यमंत्री के चेहरों को लेकर असमंजस है। सबसे ज्यादा असमंजस तो भाजपा में है। कांग्रेस में भी असमजंस की स्थिति है लेकिन भाजपा से कम। कांग्रेस के पास मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में हालाँकि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों को सब पहचान रहे हैं लेकिन राजस्थान में चुनाव परिणाम आने के बाद फैसला किया जायेगा। राजस्थान में अभी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जादू पार्टी के भीतर और बाहर साफ़ नजर आता है। कांग्रेस के समाने ऐसी पशोपेश तेलंगाना में भी नहीं है। वहां भी प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में अघोषित रूप से घोषित किया गया है। मिजोरम में किसी भी दल के पास कोई ऐसा चेहरा नहीं है जो साफ़ तौर पर मुख्यमंत्री का चेहरा हो। यहां हर बार गठजोड़ की सरकार बनती है और इसमें भाजपा की भूमिका इस बार भी शायद नगण्य हो।कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों के जितने भी नाम इन राज्यों में सामने आये हैं उन्हें लेकर पार्टी के भीतर असंतोष और संतोष बराबर है। कांग्रेस ने इस असंतोष का समाना करने का शायद पहले से मन बना रखा है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने साफ़ कहा है कि पार्टी के पास 4000 आवेदन थे लेकिन उम्मीदवार तो केवल 230 ही बनाये जा सकते है। ये हमारे नेता और कार्यकर्ता भी जानते हैं। हम रूठे लोगों को मना लेंगे। कांग्रेस में अभी जहाँ भी असंतोष के सुर सुनाई दिए हैं वहां चिंता की बात ज्यादा नहीं है। असंतोष को लेकर सबसे ज्यादा चिंता भाजपा में है। भाजपा में शिवराज,नाराज और महाराज भाजपा के बीच पहले से जंग चल रही थी। इस जंग को प्रत्याशियों के चयन ने और बढ़ा दिया। इसी वजह से सबसे ज्यादा भगदड़ भाजपा में ही हुई।,जो अभी भी थमने का नाम नहीं ले रही है।

मध्यप्रदेश में भाजपा सत्ता प्रतिष्ठाह्न विरोधी लहर के साथ ही पार्टी के आंतरिक असंतोष का भी सामना कर रही है, लेकिन राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को केवल आंतरिक असंतोष ही इतना भारी पड़ रहा है कि वो सत्ता प्रतिष्ठान विरोधी जन भावना को भुनाने की स्थिति में आ ही नहीं पा रही है। इन राज्यों में भाजपा के अनेक येदुरप्पा हैं जो पार्टी है कमान को आँखें दिखा रहे हैं। भाजपा का मौजूदा हाई कमान पुराने और स्थापित नेताओं से आतंकित है इसलिए उन्हें किनारे कर देना चाहता है। लेकिन हाई कमान की यही कोशिश उसके गले की हड्डी बन गईहै। मध्य प्रदेश में भाजपा ने मौजूदा मुख्यमंत्री के सामने एक तरह से हथियार डाल दिए हैं लेकिन राजस्थान में बसुंधरा राजे के समाने हाई कमान की प्रत्यंचा अभी भी तनी हुई है। छग में डॉ रमन सिंह हाई कमान के सामने कभी तनकर खड़े नहीं हुए, इसलिए उन्हें अभी भी पसंद किया जा रहा है। तेलंगाना और मिजोरम में भाजपा की कलम अभी तक जड़ों में तब्दील ही नहीं हुई है। इन दोनों राज्यों में भाजपा सत्ता संग्राम का हिस्सा नहीं है।

पांच राज्यों के चुनावों को लेकर भाजपा हाई कमान जितना तनाव में है उसे देखकर लगता है कि उसे इन राज्यों का रण आसान नहीं लग रहां। डबल इंजन की सरकार चलने के बाद भी मध्यप्रदेश में भाजपा के सामने चुनौतियाँ ही चुनौतियाँ हैं। मप्र में सत्ता बनाये रखना और राजस्थान तथा छग में सत्ता छीनना आसान काम नहीं है जबकि हाल ही में कर्नाटक जीत चुकी कांग्रेस का मनोबल बढ़ा हुआ है। मध्यप्रदेश में भी और राजस्थान में भी। छग में कांग्रेस की सरकार है और उसे फिलहाल कोई चुनौती भी नहीं है। तेलंगाना में केसीआर परिवारवाद के फेर में फंसकर उलझ गए है। वे मोदी के विरोधी हैं किन्तु आईएनडीआईए के समर्थक भी नहीं हैं इसलिए उनका जाना भी लगभग तय लग रहा है। मिजोरम में भी मणिपुर की आग का थोड़ा-बहुत असर तो है। मिजोरम ने मणिपुर में हुई हिंसा के बाद शरणार्थियों का बोझ उठाया है। जाहिर तौर पर इसके लिए भाजपा को ही जिम्मेदार माना जा सकता है।

इन सभी राज्यों में लड़ाई के लिए भले ही चेहरे सामने नहीं है लेकिन लड़ाई होगी फेस टू फेस ही क्योंकि भाजपा के पास मुद्दे भी नहीं है और चेहरेभी, जबकि कांग्रेस के पास मुद्दे भी हैं और चेहरे भी। अर्थात सीधी लड़ाई में जो प्रत्याशी सबल होंगे वे जीतेंगे भले ही वे किसी भी दल के हों। पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह उनके लिए ज्यादा निर्णायक नहीं होगा, सबसे ज्यादा परेशानी उन प्रत्याशियों को होने वाली है जो आम आदमी पार्टी या बहुजन समाज पार्टी की नाव पर सवार हो गए हैं अपने मूल दलों को छोड़कर। इन प्रत्याशियों को मतदाता आसानी से स्वीकार कर पायेगा, इसमें कम से कम मुझे तो संदेह है। यानि तीसरी ताकत की कोई बड़ी भूमिका इन चुनावों में नहीं है। आम आदमी पार्टी की पूछ पर केंद्र सरकार का पैर पहले से रखा हुआ है। बसपा ने भी किसी भी गठबंधन से अपने आपको दूर रखकर एक गलती कर दी है। समाजवादी पार्टी इन राज्यों में पहले से अपनी साख खो चुकी है क्योंकि हर बार उसके विधायक बिक जाते हैं!

विचार मंथन

5 राज्यों के चुनाव में भ्रष्टाचार और महंगाई बना सबसे बड़ा मुद्दा

(लेखक-सनत कुमार जैन)

20 साल बाद सरकारों के खिलाफ जनरोष देखने को मिल रहा है। 2003 के बाद से राज्य सरकारों के खिलाफ नाराजी दिखना बंद हो गई थी। वैश्विक व्यापार संधि के बाद 2004 के बाद से आर्थिक हालातो में बड़ी तेजी के साथ सुधार हुआ था। राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को टैक्स की आय कई गुना बढी थी। केंद्र एवं राज्य सरकार के पास सरप्लस धन उपलब्ध था। केन्द्र एवं राज्य सरकारों को अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से बड़ी मात्रा में योजनाओं के लिए कर्ज मिलना शुरु हुआ था। आम जनता को भी बैंकों से लोन मिलना शुरू हो गया था। लोन पर मकान, टीवी, फिज, मोटरसाइकिल, कार,मोबाइलफोन एवं अन्य सामान आसानी से उपलब्ध होने लगे थे। जिसके कारण आम जनता और सरकारें स्वर्ग के झूलों में झूलने लगी थी। जो चाहती थी, वह कर पाती थी। एकाएक बड़े हुए धन प्रवाह ने भ्रष्टाचार को भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ाया। राजनेताओं और शासकीय कर्मचारी और अधिकारियों की सोच और कामकाज करने का तरीका बदल गया। राजनेताओं ने, अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति में भारी पैसा लेना शुरू कर दिया। इसकी वसूली रिश्वत के रूप में सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों ने आम जनता से की। योजनाओं के क्रियान्वय के लिए भारी दाम सरकारों को मिला। कमीशन की बसूली भी अधिकारियों के माध्यम से राजनेता तक पहुंची। भ्रष्टाचार की विषबेल पिछले 20 सालों में गांव गांव तक निचले स्तर पर पहुंच गई है। राजनेता भ्रष्टाचार का ठीकरा सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर फोड़ देते हैं। जनता की नजरों में राजनेता ईमानदार बने रहते हैं। नेताओं के ऐश्वर्य को देखकर अब इस खेल को जनता भी समझ गई है। नेताजी फोन कर देते हैं, उसके बाद भी बिना पैसे दिए आम जनता के कोई काम नहीं हो रहे हैं। हर काम के लिए लोगों को रिश्वत देनी पड़ रही है। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी भी बेलगाम घोड़े की तरह रिश्वत तथा भ्रष्टाचार की वसूली के लिए यहॉ से वहॉ दौड़ रहे हैं। आम जनता की सुनवाई कहीं नहीं हो रही है। पहली बार जनता के बीच में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार को लेकर बड़े पैमाने पर खुलकर नाराजी देखने को मिल रही है। जनता भी अब यह मानने लगी है, कि नेताजी ही सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों की नियुक्ति कराते हैं। नेताजी के पास जाने के बाद भी यदि उनका काम बिना पैसे लिए नहीं हो रहा है। अधिकारियों और कर्मचारियों को नेताजी का संरक्षण है। यह जनता आप खुलकर बोलने लगी है। आम जनता में दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा महंगाई का बनकर सामने आया है। जिस तरीके से पिछले तीन-चार वर्षो में महंगाई बढ़ रही है। टैक्स का बोझ भी आम जनता पर हर साल बढ़ता ही जा रहा है। गरीबों से भी अब जीएसटी के नाम पर 18 से 28 फ़ीसदी टैक्स वसूला जा रहा है। शराब, सिगरेट, गुटका एवं पेट्रोल में सबसे ज्यादा वसूली गरीबों से की जा रही है। मंहगाई और भ्रष्टाचार को लेकर नाराजी अब जनता के बीच चुनाव के दौरान मुखर हो रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं अन्य राज्यों में नौकरियों में भ्रष्टाचार हो रहा है।

परीक्षाएं समय पर नहीं हो रही हैं, पेपर लीक हो रहे हैं। सरकार के खाली पदों पर भर्ती नहीं की जा रही है। छोटे-छोटे से पद के लिए 5 से 10 लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। इस बार विधानसभा चुनाव में सरकार के खिलाफ बड़ी नाराजी देखने को मिल रही है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, कि राज्य सरकार के साथ-साथ अब केंद्र सरकार के बारे में भी जनता की नाराजी महंगाई और बेरोजगारी के रूप में देखने को मिल रही है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के वर्तमान रुझान को देखने से लगता हैं, कि यह चुनाव नाराजी के साथ सरकार के खिलाफ होंगे। 1990 और 2003 के बीच में यह स्थिति राज्यों में देखने को मिलती थी। 20 वर्ष बाद एक बार फिर यही नाराजी मतदाताओं के बीच देखने को मिल रही है।

ग्रासिम राइट इश्यू से जुटाएगी 4,000 करोड़

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने कहा कि वह राइट इश्यू के माध्यम से 4,000 करोड़ रुपये जुटाने पर विचार कर रही है। ग्रासिम का कहना है कि वह कंपनी का और विकास करना चाहती है इसे लिए यह पूंजी जुटा रही है। कपड़ा उत्पादन एवं अन्य कारोबार से जुड़ी ग्रासिम इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल की हाल ही में बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में राइट इश्यू के जे रिए दो रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर जारी कर 4,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने को मंजूरी प्रदान की गई। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह कंपनी को नई ऊंचाई पर ले जाने वाली वृद्धि यात्रा है। ग्रासिम अब तक की सर्वाधिक पूंजी व्यय की योजना को अमल में ला रही है।

ओरिएंटल होटल्स का मुनाफा 10.38 करोड़ रहा

चेन्नई । चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड की सहयोगी कंपनी ओरिएंटल होटल्स लिमिटेड का मुनाफा 10.38 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध मुनाफा 10.92 करोड़ रुपये रहा था। ओरिएंटल होटल्स लिमिटेड (ओएचएल) का पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में मुनाफा मामूली रूप से बढ़कर 22.58 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 22.01 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की आय बढ़कर 95.42 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 91.06 करोड़ रुपये थी। वहीं पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में कंपनी की आय 192.21 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 181.63 करोड़ रुपये थी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि ओएचएल के औसत कक्ष दरों (एआरआर) में वृद्धि के कारण दूसरी तिमाही में राजस्व में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई।

गोदरेज प्रॉपर्टीज को नवी मुंबई में दो भूखंडों का आवंटन रद्द

मुंबई । सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ महाराष्ट्र ने गोदरेज प्रॉपर्टीज को नवी मुंबई में दो भूखंडों का आवंटन रद्द कर दिया है। गोदरेज ने मार्च 2021 में सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) द्वारा आयोजित ई-नीलामी के माध्यम से मुंबई में 166 करोड़ रुपये में लगभग 1.5 एकड़ भूखंड क्रय` किया था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 11 अक्टूबर 2023 के एक पत्र के जरिए नवी मुंबई के सानपाड़ा दो भूखंडों के आवंटन को रद्द करने का आदेश जारी किया गया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज का मानना है कि यह कदम अपुष्ट आधार पर उठाया गया। यह तीन मई 2023 को बंबई उच्च न्यायालय ने गोदरेज प्रॉपर्टीज बनाम महाराष्ट्र राज्य शीर्षक वाली 2021 की रिट याचिका संख्या 2,475 में पारित आदेश का उल्लंघन है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि इससे कंपनी की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, कंपनी ने बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर करके आवंटन रद्द करने के फैसले को चुनौती दी है।

वेदांता ने जापानी कंपनियों को भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्रांति में भागीदार बनने को किया आमंत्रित

टोक्यो/मुंबई।

जापान और भारत के बीच सहयोग और निवेश की संभावनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुजरात सरकार ने 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट से पहले जापान के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स उद्यमियों को लक्षित करने वाले रोड शो के लिए वेदांता को आमंत्रित किया है। वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह वेदांता ने भारत, विशेषकर गुजरात में निवेश के जबरदस्त अवसरों पर प्रकाश डाला और जापानी कंपनियों से भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्रांति में भागीदार बनने का आग्रह किया। वेदांता के सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले व्यवसाय के वैश्विक प्रबंध निदेशक आकाश के. हेब्बार ने दो दिवसीय रोड शो में टोक्यो और ओसाका में भारतीय दूतावास में जापानी उद्योग के नेताओं की एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने भारत में, विशेष रूप से गुजरात में निवेशक-अनुकूल माहौल को रेखांकित किया, और जापानी कंपनियों को भारत के समृद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग में शामिल होने के लिए असाधारण अवसर प्रदान करने की देश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने गुजरात सरकार को उनकी नीतिगत स्थिरता, सुशासन, उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाओं और राज्य की सक्रिय और कुशल टीम द्वारा हर कदम पर व्यापार करने में आसानी के लिए मदद के लिए बधाई दी। देश में बड़े अवसरों के बारे में बात करते हुए, आकर्ष हेब्बार ने कहा, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स की मांग भारत सरकार की मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और 100 स्मार्ट सिटी मिशन जैसी पहलों से बढ़ी है, इसका उद्देश्य स्थानीय विनिर्माण, डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना और विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति है। इसके अतिरिक्त, इंटरनेट की बढ़ती पहुंच और ई-कॉमर्स के बढ़ते चलन ने इलेक्ट्रॉनिक्स की मांग को और बढ़ा दिया है। 1.4 बिलियन से अधिक की आबादी के साथ, भारत वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार अवसर प्रस्तुत करता है।

जियो फाइनेंशियल का दूसरी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 668.18 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में वित्तीय सेवा कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का मुनाफा इससे पिछली जून तिमाही की तुलना में दोगुना होकर 668.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछली तिमाही में उसे 331.92 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। रिलायंस से अलग होकर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का यह पहला वित्तीय परिणाम है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की आय सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 608.04 करोड़ रुपये रही जो जून तिमाही में 414.13 करोड़ रुपये थी। इसमें 216.85 करोड़ रुपये की लाभांश आय से मदद मिली। कंपनी ने पहले कहा था कि उसका पूर्ण रूप से वित्तीय सेवा कंपनी बनने का लक्ष्य है। इसने पहले ही एक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी शुरू करने की योजना की घोषणा कर दी है। कंपनी की बीमा क्षेत्र में भी दस्तक देने की योजना है।

बासमती चावल का निर्यात मूल्य बढ़ाना किसान विरोधी फैसला: चौटाला

चंडीगढ़ । विधायक अभय सिंह चौटाला ने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा बासमती चावल का न्यूनतम निर्यात मूल्य 1200 डालर प्रति टन करने का फैसला किसान विरोधी बताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से बासमती चावल के खरीददार देश महंगा चावल नहीं खरीदेंगे जिससे निर्यात प्रभावित होगा। वहीं भारत के अलावा दूसरे देश जो चावल निर्यात कर रहे हैं वो सस्ते दामों में कर रहे हैं जिस कारण से हमारे प्रदेश और देश के किसानों का चावल कोई नहीं खरीदेगा। ऐसे में बासमती चावल का उत्पादन करने वाले किसान प्रभावित होंगे और अगर कोई उनके चावल को नहीं खरीदेगा तो किसानों को वही चावल सस्ते दामों में बेचने पर मजबूर होना पड़ेगा। जो अन्नदाता पहले से ही कर्जे में डूबा हुआ है वो आर्थिक रूप से और ज्यादा कमजोर हो जाएगा। उन्होंने केंद्र की सरकार से मांग करते हुए कहा कि बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य को कम किया जाए ताकि हमारे अन्नदाता का चावल निर्यात किया जा सके और किसानों को अच्छे दाम मिल सकें। इनेलो नेता ने कहा कि हरियाणा प्रदेश की भाजपा-जजपा सरकार पहले ही किसानों को मारने पर तुली है। सरकार ने आज तक बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में किसानों को मुआवजा नहीं दिया है। नरमे और कपास की खेती करने वाले किसानों की फसलों को गुलाबी सुंडी ने बर्बाद कर दिया लेकिन भाजपा सरकार ने अब तक कोई गिरदावरी नहीं करवाई है जिसके कारण किसानों को मुआवजा नहीं मिला है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 261, निफ्टी 79 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच ही एचडीएफसी बैंक, बजाज ट्विन्स, टाटा स्टील, विप्रो, टेक एम, एसबीआई, एक्सिस बैंक और टाइटन के शेयरों में तेजी से बाजार ऊपर आया है। इस दौरान बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.3 फीसदी जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.6 फीसदी ऊपर आया। इसके साथ ही बाजार में पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट पर अंकुश लग गया।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 261.16 अंक करीब 0.39 फीसदी बढ़कर 66,428.09 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,559.82 तक ऊपर जाने के बाद 66,309.18 तक गिरा।

दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 79.75 अंक तकरीबन 0.4 फीसदी बढ़कर अंत में 19,811.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी एक समय 19,849.75 अंक तक की ऊंचाई तक जाने के बाद 19,775.65 अंक तक गिरा। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 22 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। पावर ग्रिड, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, आईटीसी और एनटीपीसी सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। वहीं सबसे ज्यादा लाभ पावर ग्रिड के शेयरों को 1.97 फीसदी हुआ।

वहीं सेंसेक्स के शेयरों में 8 शेयरों में गिरावट रही। टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक 1.55 फीसदी गिरे इसके अलावा एलएंडटी, इंडसइंड बैंक, टीसी और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में भी गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की सकारात्मक शुरुआत रही। बीएसई सूचकांक शुरुआती कारोबार में 392.89 अंक उछलकर 66,559.82 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 118 अंक चढ़कर 19,849.75 पर कारोबार कर रहा था। वहीं सोमवार को गत कारोबारी सत्र में लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई और बीएसई का सेंसेक्स 116 अंक की गिरावट लेकर बंद हुआ।

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों को परोसा जाएगा बंगाली क्यूज़ीन

मुंबई।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया में सफर करने वाले यात्रियों को आने वाले कुछ दिनों में फ्लाइट में कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। भारत में मनाए जाने वाली दुर्गा पूजा को देखते हुए एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों को बंगाली क्यूज़ीन का स्वाद चखने को` मिलेगा। एयर इंडिया की फ्लाइट्स में यह सुविधा बंगाल जाने वाली फ्लाइट्स के यात्रियों को दी जाएगी। इस संबंध में एयर इंडिया ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल की ओर जाने वाली सभी फ्लाइट्स में यात्रियों को बंगाली क्यूज़ीन परोसा जाएगा। इस संबंध में एयर इंडिया ने घोषणा की है कि 21 से 23 अक्टूबर तक एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रियों को बंगाली व्यंजन परोसे जाएंगे। एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा करने वाले यात्रियों को परोसने के लिए मेन्यू तैयार हो गया है। दुर्गा पूजा और दशहरे के दौरान यात्रियों की फ्लाइट अनुभव को यादगार बनाने के लिए एयरलाइंस की तरफ से यह फैसले लिए गए हैं।इसी दिशा में कदम उठाते थे भारतीय रेलवे की आईआरसीटीसी में भी खास तैयारी की है। आईआरसीटीसी ने ऐलान किया था कि नवरात्रों के दौरान यात्रियों को सात्विक भोजन परोसा जाएगा। सात्विक भोजन की सुविधा देश के 96 स्टेशनों पर उपलब्ध है। आईआरसीटीसी ने अपने मेन्यू में साबूदाना खिचड़ी, कुट्टू की पूरी, सूखे मखाने, मूंगफली जैसे कई सात्विक और व्रत में खाए जाने वाले डिशेज को शामिल किया है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया दो पैसे की तेजी के साथ ही 83.25 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में आज रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त के साथ 83.22 पर खुला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी कोष की निरंतर निकासी के कारण रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। वैश्विक बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.24 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 83.22 पर पहुंच गया, यह पिछले बंद स्तर से पांच पैसे ज्यादा है। इससे पहले सोमवार को रुपया 83.27 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 106.30 पर रहा।

चीन में आईफोन 15 सीरीज की बिक्री आईफोन 14 की तुलना में 4.5 प्रतिशत कम : रिपोर्ट

हांगकांग।

चीन में पहले 17 दिनों में आईफोन 15 सीरीज यूनिट की बिक्री पिछले साल के आईफोन 14 के मुकाबले खराब प्रदर्शन कर रही है, जो उपभोक्ता खर्च में व्यापक गिरावट का प्रतिबिंब है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, आईफोन प्लस मॉडल को छोड़कर, जो पिछले साल तीन हफ्ते देर से जारी किया गया था, चीन में बिक्री में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। हालांकि, डेटा अमेरिका में आने वाले शुरुआती आंकड़ों के विपरीत है, जो सभी मॉडलों, खासकर आईफोन 15 प्रो मैक्स में मजबूत मांग को दर्शाता है। विश्लेषक मेंगमेंग झांग ने कहा, 15 सीरीज के लिए चीन के हेडलाइन नंबर रेड कलर में हैं, और यह उपभोक्ता खर्च में व्यापक गिरावट का प्रतिबिंब है। हालांकि, एनालिस्ट ने कहा कि प्रो मैक्स पर आपूर्ति बेमेलप्री-हॉलीडे शॉपिंग पीरियड के साथ-साथ कुछ मांग को कैलेंडर चौथी तिमाही तक बढ़ा सकता है। शुरुआती अमेरिकी आंकड़े चीन के बिल्कुल विपरीत हैं, आईफोन 15 की सेल्स के पहले नौ दिनों में कुल यूनिट सेल्स में दोहरे अंकों में बेस, प्रो और स्पेशल रूप से प्रो मैक्स मॉडल में हेल्दी डिमांड दिखाई दे रही है। उत्तरी अमेरिका के अनुसंधान निदेशक जेफ फील्डहॉक ने कहा, नए आईफोन के लिए बैक-टू-बैक शानदार वीकेंड के साथ अमेरिका अभी हॉट है। 15 सीरीज का समग्र स्वागत बहुत सकारात्मक रहा है और हम आईफोन 11 और 12 यूजर्स से एक बड़े अपग्रेड साइकल की उम्मीद कर रहे हैं। फील्डहैक ने कहा, बेशक, हम सेल्स के पहले कुछ हफ्तों के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन यह एक पॉजिटिव साइन है और चीन के आंकड़ों को काफी प्रभावित करता है।

डाबर को मिला 320.6 करोड़ रुपये का जीएसटी डिमांड नोटिस

नई दिल्ली-

एफएमसीजी प्रमुख डाबर को जीएसटी अधिकारियों से 320.60 करोड़ रुपये का भुगतान करने का नोटिस मिला है। कंपनी ने मंगलवार को एक नियामक फाइलिंग में ये बात कही। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) की गुरुग्राम जोनल यूनिट द्वारा 16 अक्टूबर को जारी डिमांड नोटिस में कहा गया है कि अगर कंपनी टैक्स का भुगतान करने में विफल रहती है तो कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। डाबर ने आगे कहा, कंपनी संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपना जवाब/प्रस्तुति दाखिल कर इसे चुनौती देगी। कंपनी ने कहा कि टैक्स डिमांड नोटिस का कंपनी की वित्तीय, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

इसमें कहा गया है, प्रभाव अंतिम कर देनदारी की सीमा तक सीमित होगा, जैसा कि ब्याज और जुर्माना, यदि कोई हो, के साथ सुनिश्चित किया जा सकता है।

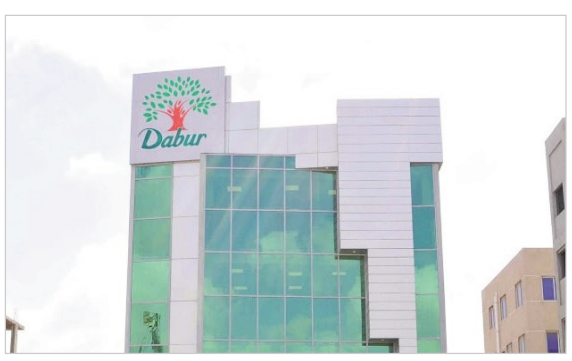

शेयर बाजार बंद होने से ठीक पहले डाबर ने जीएसटी डिमांड नोटिस के बारे में नियामक फाइलिंग दायर की। दिन के अंत में बीएसई पर कंपनी का शेयर 540.60 रुपये पर बंद हुआ।

रोल्स-रॉयस ने लागत में कटौती के तहत 2,500 कर्मचारियों को बर्खास्त करने की योजना बनाई

नई दिल्ली।

वैश्विक इंजीनियरिंग दिग्गज रोल्स-रॉयस ने लागत में भारी कटौती के तहत वैश्विक स्तर पर 2,500 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त करने की योजना की घोषणा की है। बीपी के पूर्व कार्यकारी तुफान एर्गिनबिल्गिक ने जनवरी में रोल्स-रॉयस के सीईओ के रूप में पदभार संभाला था, जब उन्होंने प्रतिष्ठित विमान इंजन निर्माता को एक बर्निंग प्लेटफॉर्म बताकर कंपनी के कर्मचारियों को चौंका दिया था, जिसका संचालन अस्थिर था। कंपनी दुनिया भर में 42,000 लोगों को रोजगार देती है, जिसमें से लगभग आधा कार्यबल यूके में स्थित है। जब कोरोना महामारी के दौरान एयरलाइंस बंद हो गई थी तब रोल्स-रॉयस का वित्तीय प्रदर्शन गिर गया था, लेकिन पिछले साल वैश्विक हवाई यात्रा में सुधार के साथ इसमें सुधार हुआ है। द गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि, लंबी दूरी की यात्रा पर कंपनी के फोकस का मतलब है कि यह उन प्रतिद्वंद्वियों से पिछड़ गया है जो छोटी दूरी के विमानों के लिए इंजन बनाते हैं, 2023 की शुरुआत के बाद से इसके शेयर की कीमत दोगुनी से अधिक हो गई है, हालांकि 2019 में यह अपने महामारी-पूर्व स्तर से कम है। कंपनी का लंबी दूरी की यात्रा पर ध्यान केंद्रित करने का मतलब है कि वह छोटी दूरी के विमानों के लिए इंजन बनाने वाले प्रतिद्वंद्वियों से पिछड़ गई है, साल 2023 की शुरुआत के बाद से इसके शेयर की कीमत दोगुनी से अधिक हो गई है, हालांकि 2019 में यह अपने महामारी-पूर्व स्तर से कम है। रोल्स-रॉयस ने नौकरी में कटौती के बारे में कोई विवरण नहीं दिया, लेकिन कहा कि आगे की घोषणा करने से पहले उसे यूनियनों के साथ जुड़ने की जरूरत है। कंपनी ने कहा कि नियोजित परिवर्तन दोहराव को दूर करेंगे और लागत दक्षता प्रदान करेंगे।एर्गिनबिल्जिक ने कहा, हम एक रोल्स-रॉयस का निर्माण कर रहे हैं जो भविष्य के लिए उपयुक्त है। इसका मतलब है कि एक अधिक सुव्यवस्थित और कुशल संगठन जो हमारे ग्राहकों, भागीदारों और शेयरधारकों के लिए काम करेगा। रोल्स-रॉयस ने अपने मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी के पद छोड़ने के साथ अपनी इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी और सुरक्षा टीमों का विलय करने की योजना बनाई है।

यह लागत में कटौती के लिए अपनी खरीद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन प्रक्रियाओं में सुधार की भी उम्मीद करता है।

भारतपे अपने स्पीकर पर एक विशेष वर्ल्ड कप फीचर पेश करेगा

- व्यापारियों के पास अंग्रेजी या हिंदी में स्कोर अपडेट प्राप्त करने का विकल्प है

नई दिल्ली ।

फिनटेक प्रमुख भारतपे अपने स्पीकर पर एक विशेष वर्ल्ड कप फीचर पेश करने की योजना लांच करने पर विचार कर रहा है, जो इसे विश्व कप 2023 के दौरान अपने एक करोड़ से अधिक संख्या बल वाले व्यापारी समुदाय के लिए क्रिकेट हमसफर में बदल देगा। भुगतान के लिए रीयल टाइम अलर्ट प्राप्त करने के अलावा, जो व्यापारी इस सुविधा का विकल्प चुनते हैं, वे अब बिना किसी अतिरिक्त लागत के अपने भारतपे स्पीकर पर भारत के सभी मैचों के लाइव अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। नई शुरू की गई सुविधा के तहत एक ही मंच पर उन्हें खेल रही टीम के लिए वास्तविक समय के रन अपडेट, मैच परिणाम और अंतिम सारांश की जानकारी मिलेगी। व्यापारियों के पास अंग्रेजी या हिंदी में स्कोर अपडेट प्राप्त करने का विकल्प है। इसके अतिरिक्त, भारतपे स्पीकर्स को प्रत्येक महत्वपूर्ण विकेट के लिए तत्काल सूचनाएं प्राप्त होंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि व्यापारियों को मैच के घटनाक्रम के साथ अपडेट किया जाएगा। जैसे ही नवीनतम मैच के परिणाम घोषित होंगे, स्पीकर पर तुरंत इसकी जानकारी दी जायेगी और व्यापारियों को प्रत्येक रोमांचक मुकाबले का अंतिम फैसला सुनाया जाएगा।भारतीय व्यापारियों के लिए वित्तीय समावेशन को वास्तविकता बनाने के लिए 2018 में भारतपे की स्थापना की गई थी। कंपनी ने 2018 में भारत का पहला यूपीआई इंटरऑपरेबल वे यूआर कोड, पहली शून्य एमडीआर भुगतान स्वीकृति सेवा लॉन्च की। कोविड के बाद 2020 में भारतपे ने एक कार्ड स्वीकृति टर्मिनल भारतस्वाइप भी लॉन्च किया। वर्तमान में 400 से ज्यादा शहरों में एक करोड़ व्यापारियों को सेवा प्रदान करते हुए कंपनी यूपीआई ऑफ़लाइन लेनदेन में अग्रणी है। वह हर महीने 30 करोड़ से अधिक यूपीआई लेनदेन संसाधित करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अवसर मिले तो बटलर को अपनी टीम में शामिल करना चाहेंगे नवीन

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के क्रिकेटर नवीन उल हक ने कहा है कि अगर उन्हें अपनी टीम में किसी एक क्रिकेटर को शामिल करने का अवसर मिले तो वह इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर को अपनी टीम में शामिल करेंगे। इस मामले में आईसीसी ने एक वीडियो भी पोस्ट किया है। इसमें कई खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं। इसमें नवीन से पूछा जा रहा था कि अगर आपको एक अवसर दिया जाए तो दूसरी टीम के किस खिलाड़ी को अपनी टीम में आप शामिल करना चाहेंगे। इसपर नवीन उल हक ने बटलर का नाम लिया। इस वीडियो में भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, जिमी नीशम, एडम जंपा और हसन अली जैसे खिलाड़ी भी नजर आ रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी बटलर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सूर्यकुमार ने कहा,मैं भी बटलर को खेलते हुए देखना पसंद करता हूं। नीशम ने कहा कि अगर मुझे किसी दूसरे टीम से किसी खिलाड़ी को लेने का विकल्प मिले तो मैं बटलर को रखूंगा। गौरतलब है कि बटलर इंग्लैंड के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं। उनकी कप्तानी में पिछले साल ही इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप जीता था। बटलर अपनी कुशल कप्तानी के लिए भी जाने जाते हैं।

विश्व कप के शुरुआती चरण में स्पिनरों का बोलबाला

नई दिल्ली।

अगर कोई एक विषय है जो 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के शुरुआती चरण से सामने आता है, तो वह है कि अगर टीमों को टूर्नामेंट में मैच जीतना है और आगे बढ़ना है तो स्पिनरों का एक महत्वपूर्ण परीक्षण बनकर उभरना है। विश्व कप के आधिकारिक विश्लेषण प्रदाता क्रिकविज़ द्वारा आईएएनएस को दिए गए टूर्नामेंट के 15 मैचों के आंकड़ों के अनुसार, कुछ पैटर्न उभर कर सामने आए हैं जिसमें ऑफ-स्पिन और ऑर्थोडॉक्स स्पिन हावी हैं, इसके बाद लेग-स्पिन और अपरंपरागत स्पिन हैं।यदि 2020 तक, कलाई के स्पिनर एकदिवसीय मैचों में धमाल मचाने लगेंगे, तो 2023 विश्व कप में ऑफ-स्पिन और ऑर्थोडॉक्स स्पिन वापस तस्वीर में आ जाएंगे और इसमें प्रमुख स्थान ले लेंगे। अब तक, ऑफ स्पिनरों ने 39.22 की औसत, 42.6 की स्ट्राइक-रेट और 5.51 की इकोनॉमी रेट और 47.5 की डॉट-बॉल प्रतिशत के साथ 27 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर, रूढ़िवादी स्पिनरों ने 34.93 की औसत से 29 विकेट लिए हैं, जिसमें 40.4 की स्ट्राइक-रेट और 5.18 की इकॉनोमी दर, साथ ही 48.7 की डॉट-बॉल प्रतिशत शामिल है।

इसकी तुलना में, लेग स्पिनरों ने 36.61 के औसत, 39.1 के स्ट्राइक-रेट और 5.6 के इकॉनमी रेट के साथ 18 विकेट हासिल किए हैं, जिसमें उनका डॉट-बॉल प्रतिशत 43.2 है। अपरंपरागत स्पिन की बात करें, जो एक दुर्लभ प्रजाति है, उन्होंने 22.14 की औसत से सात विकेट लिए हैं, स्ट्राइक रेट 32.4 और इकोनॉमी रेट 4.09 है, उनका डॉट-बॉल प्रतिशत 56.3 है। ऑफ-स्पिन और ऑर्थोडॉक्स गेंदबाजों के बेहतर परिणाम विश्व कप में अग्रणी विकेट लेने वालों की सूची में भी प्रतिबिंबित होते हैं- न्यूजीलैंड के मिशेल सैंटर, बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर, आठ विकेट लेकर संयुक्त रूप से अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, उनके बाद दूसरे स्थान पर भारत के रवींद्र जड़ेजा हैं जिन्होंने पांच विकेट लिए और बाएं हाथ के अपरंपरागत स्पिनर कुलदीप यादव ने भी इतने ही विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड ने सेंटनर को बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रचिन रवींद्र और अंशकालिक ऑफ स्पिन ग्लेन फिलिप्स के साथ जोड़ा है। भारत ने मुख्य रूप से जडेजा और कुलदीप का उपयोग किया है, जिसमें शीर्ष ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को आखिरी मिनट में प्रवेश मिला है, जबकि नीदरलैंड ने लेग स्पिनर शारिज़ अहमद के स्थान पर ऑफ-ब्रेक गेंदबाज आर्यन दत्त का भी उपयोग किया है। प्रतियोगिता के पहले सप्ताह में, पहली पारी में पिचें अधिक शुष्क थीं, जिसके परिणामस्वरूप खेल के उस चरण में स्पिनरों को बहुत सारे विकेट मिले।

जब तक दूसरी पारी आई, रोशनी में लक्ष्य का पीछा करना आसान हो गया। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में, न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने पहली पारी में पांच विकेट लिए और आसान रन चेज़ में इंग्लैंड के स्पिन आक्रमण को कोई विकेट नहीं दिया। धर्मशाला में एक दिन के खेल में, बांग्लादेश के स्पिनरों ने अफगानिस्तान के छह विकेट लिए और कम स्कोर का आसानी से पीछा किया। चेन्नई में दिन-रात के खेल में, भारत की स्पिन तिकड़ी जड़ेजा, कुलदीप और अश्विन ने पहली पारी में सामूहिक रूप से छह विकेट लिए और 2-3 से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने लक्ष्य का पीछा पूरा किया, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एक भी विकेट नहीं ले सके।स्पिनरों के लिए दूसरी पारी में पटकथा बदलनी शुरू हुई जब सेंटनर ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड को नीदरलैंड पर 99 रन से जीत दिलाई। हाल ही में, नई दिल्ली में, मुजीब उर रहमान, राशिद खान और मोहम्मद नबी की अफगानिस्तान की स्पिन तिकड़ी ने इंग्लैंड के स्पिनरों द्वारा पांच विकेट की तुलना में सामूहिक रूप से आठ विकेट लेकर 69 रन की अविश्वसनीय जीत दर्ज की।

बृजभूषण ने कहा पल्स रेट की जांच कोई अपराध नहीं , मुझपर लगे आरोप राजनीति से प्रेरित

नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने अपने ऊपर लगे यौन शोषण और छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर कहा है कि पल्स रेट की जांच करने को छेड़छाड़ नहीं कहा जा सकता है। बृज भूषण ने इस मामले में महिला पहलवानों के अपने ऊपर लगाये आरोपों को भी खारिज कर दिया है। बृज भूषण ने कहा कि उनपर यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के जो भी आरोप लगाये गये हैं। वह राजनीतिक कारणों से लगाये गये हैं। बृज भूषण को दिल्ली की एक अदालत में कहा कि उन्होंने महिला पहलवानों की पल्स रेट की जांच की थी और ऐसा करना कोई अपराध तो नहीं है। उन्होंने कहा कि पल्स रेट की जांच के पीछे उनकी कोई गलत मंशा नहीं थी। यही नहीं उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक ओवरसाइट कमेटी भी बनी थी, जिसने उनपर लगे आरोपों को गलत करार दिया था। वह इस जांच समिति के सामने पेश भी हुए थे और तब उन्होंने अपना पक्ष रखा था।

इस मामले में उनके वकील ने कहा कि छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न में अंतर होता है। यौन उत्पीड़न के मामलों में तीन साल की एक समयसीमा होती है पर बाद में शिकायतकर्ताओं ने छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल से पहले बृजभूषण शरण सिंह पर छेड़छाड़ का तो कोई मामला ही नहीं था। दूसरी ओर महिला पहलवानों की वकील रेबेका जॉन ने कहा कि जांच समिति ने बृजभूषण को क्लीन चिट नहीं दी थी।

बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे शार्दुल

नई दिल्ली । भारतीय टीम अब 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। शार्दुल ने अब तक इस विश्वपक में दो मैच खेले हैं जिसमें उन्हें एक ही विकेट मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शार्दुल को केवल 2 ओवर ही गेंदबाजी मिल पायी। वहीं, अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में शार्दुल ने 6 ओवर गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर 1 विकेट लिया था। वहीं अब वह में बांग्लादेश के खिलाफ अवसर मिलने पर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। कप्तान रोहित शर्मा अपने इस गेंदबाज पर काफी भरोसा करते हैं। शार्दुल भी उसपर खरे उतरे हैं। जब भी कोई जोड़ी जम जाती है तो रोहित उन्हें ही विकेट लेने की जिम्मेदारी देते हैं। गेंदबाजी ही नहीं बल्लेबाज में भी वह पीछे नहीं हैं। उन्होंने अपने आक्रामक खेल से कई टीमों को हैरान किया है। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में शार्दुल ने दोनों ही पारियों में अर्धशतक लगाया था और भारत इसी कारण वो टेस्ट 157 रन से जीता था। शार्दुल ने टीम इंडिया तक पहुंचने के लिए कड़ा संघर्ष किया हैं। उन्होंने 2012 में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था और 2016 में उन्होंने पहली बार मुंबई को रणजी ट्रॉफी का चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब उन्होंने फाइनल में सौराष्ट्र के खिलाफ 8 विकेट लिए थे और चेतेश्वर पुजारा जैसे धाकड़ बैटर का शिकार किया था. इसके एक साल बाद उन्होंने वनडे और टेस्ट दोनों डेब्यू किया और 2018 में पहला टी20 भी खेला।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हमें पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी में मदद करेगी: बिचू देवी

रांची।

हांगझोउ में एशियाई खेलों में ओलंपिक क्वालीफिकेशन स्थान हासिल करने में असफल रहने के बाद, भारतीय महिला हॉकी टीम को अब क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से गुजरना होगा। टीम झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी की दिशा में अपना पहला कदम उठाएगी, जो 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होने वाली है। भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम ने 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अगले साल जनवरी में होने वाले 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी के लिए यह टूर्नामेंट हमारे लिए महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।उन्होंने कहा, यह कहने की जरूरत नहीं है कि हमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए अगले तीन महीनों तक वास्तव में कड़ी मेहनत करनी होगी, इसलिए, रांची में आगामी टूर्नामेंट हमारी प्रगति का आकलन करने और मजबूत विरोधियों के खिलाफ हमारी ताकत का परीक्षण करने के लिए आवश्यक है। 2022 में भारतीय टीम में पदार्पण करने वाली बिचू देवी ने कहा, ÷मैं रांची में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुने जाने से रोमांचित हूं। यह मेरे लिए खुशी का क्षण है और मैं इस अवसर के लिए आभारी हूं। आगामी टूर्नामेंट

में अपने सीनियर्स से मदद लेने के अलावा, मैं उस अनुभव का उपयोग करने के लिए उत्सुक हूं जो मैंने हाल ही में संपन्न एशियाई खेलों के दौरान हासिल किया था। महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सातवें संस्करण की मेजबानी रांची में की जा रही है, जो अपने उत्साही हॉकी प्रशंसक आधार के लिए प्रसिद्ध शहर है। बिचू देवी स्थानीय समर्थन से उत्साहित हैं और उन्होंने कहा, रांची जोशीले हॉकी प्रशंसकों से भरी हुई है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि वे बड़ी संख्या में स्टेडियम में हमारा उत्साह बढ़ाने आएंगे। हम प्रशंसकों से प्रेरणा लेंगे और अपना योगदान देने का लक्ष्य रखेंगे। सभी मैदान पर हैं। हालाँकि बढ़ी हुई उम्मीदें दबाव लाती हैं, हम एक दूसरे को प्रेरित करने के लिए एक टीम के रूप में एकजुट होंगे।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव होते ही भारतीय कुश्ती महासंघ से हट जाएगा निलंबन : डब्ल्यूएफआई

मुंबई । यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्लयडब्लयू) ने कहा है कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से निलंबन हट सकता है। यूडब्लयडब्लयू के अनुसार चुनाव होते ही डब्ल्यूएफआई का निलंबन तत्काल हटा दिया जाएगा और इसमें हमें अधिक खुशी होगी क्योंकि हम खिलाड़ियों का हित चाहते हैं। यूडब्लयडब्लयू ने डब्ल्यूएफआई में जारी विवाद में हस्तक्षेप करने से इंकार करते हुए कहा कि अगर खिलाड़ी उनसे संपर्क करते है तो वे खिलाड़ियों की बात जरुर सुनेंगे। यूडब्ल्यूडब्ल्यू प्रमुख नेनाद लालोविच ने ये बात कही हैं।। इससे पहले इस बीच यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई को भी तय समय सीमा में चुनाव नहीं कराने के लिए निलंबित कर दिया। लालोविच ने यहां अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 141वें सत्र के इतर कहा कि पहलवानों के विरोध के दौरान जो कुछ हुआ, हमारी नजर उस पर थी क्योंकि हमें अपने खिलाड़ियों की कुशलता की चिंता है। निलंबन की संभावनाओं में यह भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब यह मामला भारतीय अधिकारियों द्वारा देखा जा रहा है। हम इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे। हम तभी हस्तक्षेप करेंगे जब पहलवान किसी कारण से हमसे दोबारा संपर्क करेंगे।

कमिंस ने कहा जीत का सिलसिला बनाये रखेंगे

बेहतर प्रदर्शन के लिए गेंदबाजों को सराहा

लखनऊ । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने श्रीलंका के खिलाफ विश्वकप में मिली जीत पर खुशी जतायी है। यह इस विश्वकप में ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिली पहली जीत है। जीत के बाद कमिंस ने अपनी टीम के गेंदबाजों की जमकर प्रशंसा की है। कमिंस ने कहा कि हमारे गेंदबाजों ने श्रीलंकाई टीम को अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। इस मुकाबले में पहले विकेट के लिए कुसल परेरा 78 और पथुम निसंका 61 के बीच 125 रनों की साझेदारी हुई। मैच में एक समय श्रीलंकाई टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी पर बाद में 209 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तय लक्ष्य आसानी से हासिल करते हुए इस मुकाबले में श्रीलंकाई टीम को पांच विकेट से हरा दिया। कमिंस ने मैच के बाद कहा कि विरोधी टीम ने बहुत अच्छी शुरुआत की थी पर जिस तरह से हमारे गेंदबाजों ने गेंदबाजी की उसका लाभ हमें मिला। टीम का ये प्रयास शानदार था। उन्होंने कहा कि हमने खेल के तीनों ही क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया। अब आने वाले मुकाबलों में हम इसे जारी रखेंगे। वहीं दूसरी ओर हार से निराश श्रीलंकाई टीम के कप्तान कुसल मेंडिस ने कहा कि अगर उनकी टीम करीब 290 रन बनाती तो परिणाम अलग होता। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी शुरुआत की थी पर हमारा मध्य क्रम उसे बरकारार नहीं रख पायी। अगर हमने 290 या 300 का स्कोर बनाया होता तो इस पिच पर वह अच्छा स्कोर बनता।

अकरम ने पाक टीम के लिए फिटनेस टेस्ट बंद होने पर सवाल उठाये

लाहौर ।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम वसीम अकरम ने विश्वकप में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन पर नाराजगी जताते हुए खिलाड़ियों की फिटनेस पर ही सवाल उठा दिये। पाक को भारतीय टीम के हाथों इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा था। अकरम ने पाक क्रिकेट टीम में बंद हुए नियमित फिटनेस टेस्ट पर भी हैरानी जतायी। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की फिटनेस कैसी है कोई नहीं जानता क्योंकि अब कोई फिटनेस टेस्ट नहीं होता। जब मिस्बाह कोच और चयनकर्ता थे तो वह यो-यो टेस्ट और अन्य टेस्ट कराते थे। एक पेशेवर क्रिकेटर को महीने में कम से कम एक बार फिटनेस टेस्ट कराना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आप इस तरह की हार मिलेगी ही।

पाक टीम जकब क्रिकेट विश्व कप 2019 से बाहर हुई थी तो मिस्बाह-उल-हक को मुख्य कोच बनाया गया था पर रमीज राजा के पीसीबी अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। अकरम ने पीसीबी नेतृत्व में लगातार बदलाव को भी सही नहीं बताया। अकरम ने कहा कि पीसीबी ने पिछले 3 वर्षों में 3

अध्यक्ष देखे हैं। इससे टीम के सदस्यों और प्रबंधन के बीच यह डर पैदा हो गया कि वे अगली सीरीज के लिए रहेंगे या नहीं। इसका भी विपरीत प्रभाव टीम पर पड़ा है। अकरम से पहले रमीज ने भी टीम के प्रदर्शन पर सवाल उठाये थे। इसके अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने भी खिलाड़ियों को फटकार लगायी है।

ओलंपिक में क्रिकेट को फिर शामिल किये जाने पर आईसीसी ने खुशी जतायी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2028 लॉस ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। आईसीसी के अनुसार इससे क्रिकेट के दुनिया भर में प्रचार प्रसार में सहायता मिलेगी। गत सप्ताह मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 141 वें सत्र में ओलंपिक के कार्यक्रम में क्रिकेट सहित कुछ अन्य खेलों को भी शामिल किये जाने को इसके सदस्यों ने औपचारिक रुप से मंजूरी दी थी। 1900 के पेरिस ओलंपिक के बाद यह पहली बार होगा जब क्रिकेट ओलंपिक में शामिल होगा। आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने कहा, मैं अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और लॉस एंजिल्स को उनके समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। इस मंच के जरिए हम क्रिकेट को और शानदार खेल बनाने का पूरा प्रयास करेंगे। आईसीसी ने इसके साथ ही भारतीय महिला की पूर्व कप्तान मिताली राज का भी एक बयान जारी किया है जिसमें मितानी ने कहा, यह बहुत हर्ष की बात है कि क्रिकेट अब एक ओलंपिक खेल भी बन गया है और हमारी टीम को लॉस एंजिल्स में इसे खेलने का अवसर मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए उतरने का अवसर मिलेगा , इस दौरान वह विश्व भर के अन्य खेलों के शीर्ष खिलाड़ियों से भी मिल सकेंगे। यह दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए हमारे शानदार खेल का आनंद लेने का एक और अवसर है। गौरतलब है कि मुंबई में आईओसी द्वारा लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल करने के लिए अनुमोदित छह खेलों बेसबॉल और सफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश के साथ क्रिकेट भी शामिल था।

अवसर मिले तो बटलर को अपनी टीम में शामिल करना चाहेंगे नवीन

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के क्रिकेटर नवीन उल हक ने कहा है कि अगर उन्हें अपनी टीम में किसी एक क्रिकेटर को शामिल करने का अवसर मिले तो वह इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर को अपनी टीम में शामिल करेंगे। इस मामले में आईसीसी ने एक वीडियो भी पोस्ट किया है। इसमें कई खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं। इसमें नवीन से पूछा जा रहा था कि अगर आपको एक अवसर दिया जाए तो दूसरी टीम के किस खिलाड़ी को अपनी टीम में आप शामिल करना चाहेंगे। इसपर नवीन उल हक ने बटलर का नाम लिया। इस वीडियो में भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, जिमी नीशम, एडम जंपा और हसन अली जैसे खिलाड़ी भी नजर आ रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी बटलर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सूर्यकुमार ने कहा,मैं भी बटलर को खेलते हुए देखना पसंद करता हूं। नीशम ने कहा कि अगर मुझे किसी दूसरे टीम से किसी खिलाड़ी को लेने का विकल्प मिले तो मैं बटलर को रखूंगा। गौरतलब है कि बटलर इंग्लैंड के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं। उनकी कप्तानी में पिछले साल ही इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप जीता था। बटलर अपनी कुशल कप्तानी के लिए भी जाने जाते हैं।

अब ओलंपिक स्टीपलचेस में स्वर्ण जीतना चाहते हैं साबले

नई दिल्ली ।

स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले का लक्ष्य ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण जीतना है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता साबले ने हालांकि माना कि ये आसान नहीं है और इसके लिए उन्हें अपनी अभ्यास रणनीति में बदलाव करना होगा। इस खिलाड़ी ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना असंभव भी नहीं है पर इसके लिए हमें अपनी रणनीति में बदलाव लाना होगा और अभ्यास अमेरिका की जगह पर मोरक्को या यूरोप में करना होगा। साबले ने हाल में हुए हांगझोउ एशियाई खेलों के स्टीपलचेस में स्वर्ण और 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता था।अब इस खिलाड़ी का लक्ष्य ओलंपिक के स्टीपलचेस (ट्रैक) में भारत को पहला पदक दिलाना है। इस खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले चार पांच साल में मैने प्रदर्शन में जो सुधार किया है, उससे ओलंपिक में स्टीपलचेस में पदक की उम्मीद बनी है। इसके लिए मुझे ट्रेनिंग की योजना में बदलाव करना होगा। अब सिर्फ टाइमिंग का ही ध्यानल नहीं रखना है। रेस जीतने के लिए रणनीति भी बनानी पड़ेगी।

ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके साबले ने कहा, 'पदक सिर्फ टाइमिंग से नहीं, सटीक रणनीति से मिलते हैं इसके लिए रेस के दौरान ही फैसले लेना कि कब धीमा भागना है और कब रफ्तार बढ़ानी है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 1994 के बाद से वह पोडियम फिनिश करने वाले पहले गैर कीनियाई खिलाड़ी हैं। वह अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए लगातार कोचों से सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा, 'अमेरिका के कोलाराडो में दो साल ट्रेनिंग करके मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। वहां ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेताओं के साथ अभ्यास करके भरोसा बढ़ा है कि हम भी ओलंपिक में पदक जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन अभी कोलाराडो में मार्च तक बर्फ गिरेगी और ऐसे में वहां ट्रेनिंग करना संभव नहीं। ये चार महीने किसी यूरोपीय देश या मोरक्को में अभ्यास करके नयी चीजें सीखने को मिलेंगी क्योंकि अब अमेरिका में ट्रेनिंग में एकरसता हो गई है।

इमाद को पाक के सेमीफाइनल में पहुंचने का भरोसा नहीं

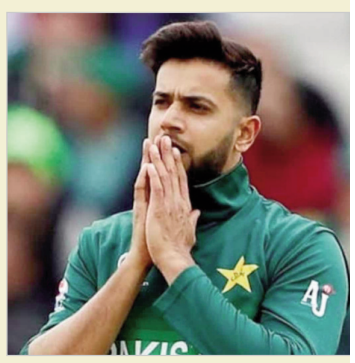

नई दिल्ली । पाकिस्तान के ऑलराउंड इमाद वसीम ने कहा है कि विश्वकप में अपनी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने का उन्हें भरोसा नहीं है। जिस प्रकार लीग मुकाबले में पाक को भारत के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी है। उससे इमाद का टीम को लेकर मनोबल कम हो रहा है। इमाद इस विश्वकप कप के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। वहीं विश्वकप की शुरुआत से पहले जिन चार टीमों को उन्होंने सेमीफाइनल का दावेदार बताया था उनके पाक का नाम भी शामिल था। इमाद ने इस बार सेमीफाइनल के लिए भारत, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड का नाम पक्के तौर पर लिया है। उन्होंने चौथी टीम के तौर पर पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया में से किसी एक के आगे जाने की उम्मीद जताई है पर ह इस बार तो लेकर आश्वसत नहीं हैं कि उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। इमाद ने विश्वकप सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चार टीमों के नाम सामने रखे हैं। उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और भारत को जगह मिलना तय है पर चौथी टीम के तौर पर पाक और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक टीम हो सकती है। इससे पहले इमाद ने जिन चार सेमीफाइनल की टीमों को शामिल किया उसमें भारत, पाक, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के नाम थे पर अफगानिस्तान के हाथों मिली हार के बाद उनका मानना है कि इंग्लैंड टीम के अब अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीदें नहीं हैं।

देशभर के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव किया जाए, इसके निर्धारण का अधिकार अब विद्यार्थियों को भी होगा. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी कोर्सेज कमेटियों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है.

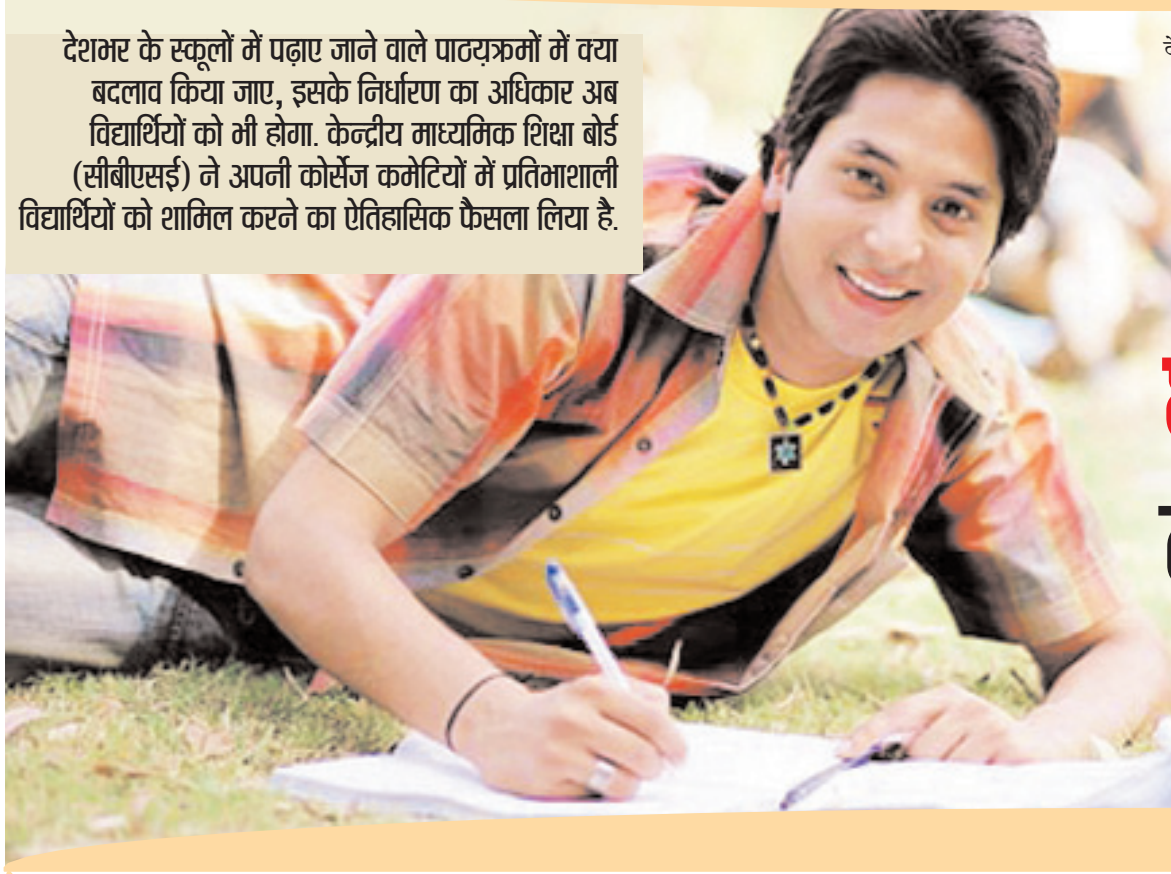

छात्र भी तय करेंगे क्या हो उनका कोर्स

देशभर के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव किया जाए, इसके निर्धारण का अधिकार अब विद्यार्थियों को भी होगा. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी कोर्सेज कमेटियों में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है. 12वीं की परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों में से कुछ चुनिंदा छात्रों को कोर्स कमेटियों में शामिल किया जाएगा. बता दें कि बोर्ड की अलग-अलग कोर्सेज की कमेटियां हैं, जिनमें वोकेशनल कोर्स कमेटियां शामिल हैं. इन कोर्स कमेटियों में परीक्षा परिणाम व बोर्ड से संबद्ध स्कूलों की सिफारिश के बाद विद्यार्थी कोर्स कमेटी का हिस्सा बन सकेंगे. बोर्ड की प्रत्येक कोर्स कमेटी में एक विद्यार्थी का चयन होगा, जिसमें विद्यार्थी कोर्स में बदलाव को लेकर अपने सुझाव दे सकेंगे.

बोर्ड के चेयरमैन विनीत जोशी का कहना है कि हम पाठ्यक्रम अधिक समावेशी और अनुप्रयोग आधारित बनाना चाहते हैं, इसीलिए कमेटी द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम में छात्रों का हस्तक्षेप महत्वपूर्ण होगा, हम उनकी राय को भी सुनेंगें. विद्यार्थियों की राय कोर्स को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगी. बता दें कि सीबीएसई के पास व्यावसायिक विषयों सहित इसके सभी पाठ्यक्रमों के लिए कोर्स कमेटियां हैं. प्रत्येक तीन साल के बाद हर कमेटी का पुनर्गठन किया जाता है. यह कमेटी विषयों से संबंधित विचारों पर वाद-विवाद और चर्चा करती है और विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकी समीक्षा करती है.

इतिहास में पहली बार, सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों से विद्यार्थियों को बैठकों में हिस्सा लेने और अपने विचार व्यक्त करने का मौका मिलेगा. वे विद्यार्थी जो मार्च 2014 में कक्षा 12 की परीक्षा पास कर चुके हैं, उन्हें उनके प्रदर्शन तथा स्कूलों के साथ परामर्श के आधार पर सीबीएसई द्वारा नामांकित किया जा रहा है. बोर्ड को विास है कि छात्र उम्मीदवार इसके पाठ्यक्रमों के विकास में सक्रिय योगदान देंगे.

सीबीएसई का यह भी मानना है कि पाठ्यक्रम के निर्धारण में विद्यार्थियों का सहयोग बहुत लाभकारी साबित होगा, क्योंकि ये छात्र विषय की भावी संभावनाओं के साथ-साथ इसकी सीमाओं को भी बेहतर समझते हैं. कोर्स कमेटी में विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) के विशेषज्ञ, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षक एवं विषय विशेषज्ञ, निजी एवं सार्वजनिक स्कूल और मौजूदा शिक्षक शामिल हैं.

क्रिएटिव हैं तो आजमाएं फैशन डिजाइनिंग

यहां हमेशा नया करने का मौका भी है और इसके माध्यम से खुद को स्थापित करने का अवसर भी. फैशन डिजाइनिंग में रुचि रखने वालों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के कोर्स नई राह दिखाते हैं. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) डिजाइन शिक्षा, व्यावहारिक शोध, प्रशिक्षण, डिजाइन परामर्शी सेवाएं के अलावा कई क्षेत्रों में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है.

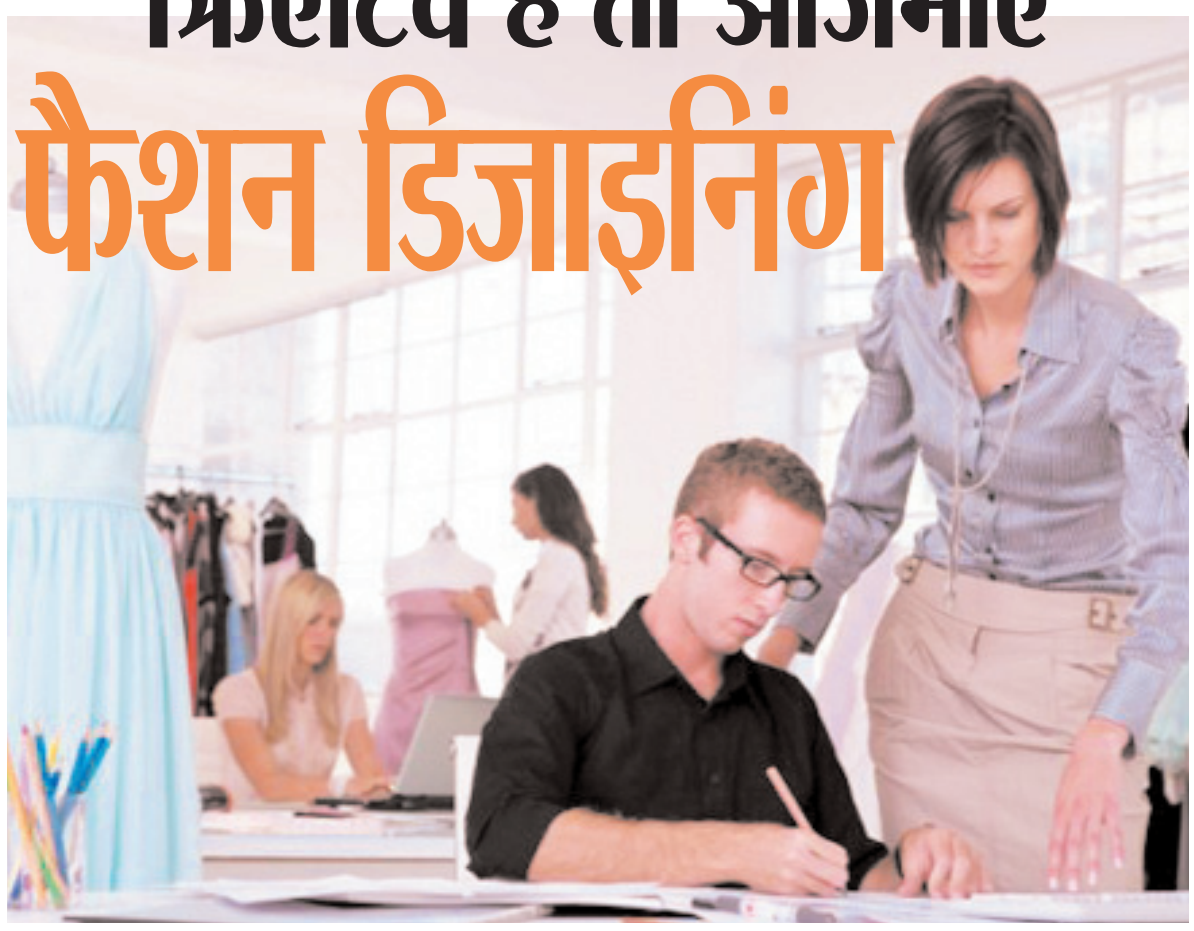

आये दिन बाजार में फैशन के नये डिजाइन, नए तरीके का कलर कंबिनेशन देखने को मिलता है. इस कारण फैशन डिजाइन का क्रेज दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है. हमेशा कुछ न कुछ नया करने की ख्वाहिश रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह करियर का बेहतर आप्शन है. यहां हमेशा नया करने का मौका भी है और इसके माध्यम से खुद को स्थापित करने का अवसर भी. फैशन डिजाइनिंग में रुचि रखने वालों को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के कोर्स नई राह दिखाते हैं. राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) डिजाइन शिक्षा, व्यावहारिक शोध, प्रशिक्षण, डिजाइन परामर्शी सेवाएं के अलावा कई क्षेत्रों में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है.

पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा

वर्ष 1961 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन इस स्वायत्त संस्थान की स्थापना की गई. एनआईडी में ग्रेजुएशन डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन (जीडीपीडी) और पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन (पीजीडीपीडी) पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष 2014-15 के लिए आवेदन मांगे हैं. ग्रेजुएट कोर्स के लिए बारहवीं पास और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के लिए बैचलर की डिग्री जरूरी है. अनुभवी अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाती है. अभ्यर्थी के पास विजुअॅल परसेप्शन एबिलिटी, ड्राइंग स्किल, लॉजिकल रीजनिंग, क्रिएटीविटी औ र कम्युनिकेशन स्किल्स का होना जरूरी है. चयन एनआईडी द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए इच्छुक छात्रों को संस्थान द्वारा आयो जित डिजाइन एप्टीटयूड टेस्ट (डीएटी) की परीक्षा पास करनी होगी. यह परीक्षा दो चरणों में होगी. पहले चरण में लिखित परीक्षा है. इसमें 100 अंक के प्रश्न पत्र होंगे.

परीक्षा

लिखित परीक्षा में एनिमेशन, एबस्ट्रैक्ट सिम्बोलिज्म, कम्पोजिशन, मेमोरी ड्रॉइंग, थीमेटिक कलर अरेंजमेंट, विजुअल डिजाइन के अलावा विजुअल परसेप्शन एबिलिटी, ड्राइंग स्किल, लॉजिकल रीजनिंग, क्रिएटिव एंड कम्युनिकेशन स्किल, फंडामेंटल डिजाइन के अलावा डिजाइन से संबंधित प्रॉब्लम सॉ ल्विंग कैपेसिटी आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं. इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य उम्मीदवारों की योग्यता, नवीनता और धारणाओं का मूल्यांकन करना है. लिखित परीक्षा के आधार पर परीक्षार्थियों को शॉर्ट लिस्टेड किया जाएगा. इसके आधार पर योग्य अभ्यर्थी को स्टूडियो टेस्ट और साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. स्टूडियो टेस्ट के माध्यम से अभ्यर्थी की क्रिएटिविटी और फैशन के प्रति लगाव, डिजाइनिंग के प्रति सोच, नए आइडिया, कल्पनाशक्ति और कुछ अलग हटकर सोचने की क्षमता को परखा जाता है. परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए एनआईडी कैम्पस से संपर्क कर सकते हैं या फिर वेबसाइट पर लॉग ऑन कर सकते हैं. तैयारी इसकी तैयारी अन्य परीक्षाओं से काफी अलग है. इसमें विद्यार्थियों को रट्टा लगाने से सफलता नहीं मिल सकती है.

डिजाइनिंग के प्रति रुझान

इसमें कामयाब होने के लिए मौलिकता की सख्त दरकार होती है. अभ्यर्थियों का डिजाइनिंग के प्रति रुझान, उसके प्रति उनकी समझ, विचारों व समस्या को सुलझाने की क्षमता को परखी जाती है. ऐसे में बेहतर करने के लिए जरूरी है कि आप जो भी बनाएं, उसे इलेस्ट्रेशन एवं शब्दों के माध्यम से समझाने की भी क्षमता रखें. डीएटी और स्टूडियो टेस्ट के जरिये अभ्यर्थी की ऑब्जर्वेशन पावर, डिजाइन करने की काबिलियत और कुछ नया तैयार करने की क्षमताओं को परखा जाता है. ऐसे में आप जो भी डिजाइन और चित्र बनाएं, उसके रंगों के कंबिनेशन पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है. स्टूडियो टेस्ट में अभ्यर्थी को एक सवाल और उससे संबंधित कुछ सामान उपलब्ध कराया जाता है, जिसके जरिये अभ्यर्थी को उस सवाल के आधार पर सामान तैयार करना होता है. टेस्ट के तुरंत बाद एक्सपर्ट पैनल उसे देखता है और मार्किंग करता है.

जेनेटिक विशेषज्ञ की बढ़ रही है मांग

जिस तरह क्लोन बनाने को लेकर काम हो रहा है, नई दवाइयां तैयार की जा रही हैं, ऐसे में जेनेटिक से जुड़े विशेषज्ञों की मांग बढ़ती जा रही है इससे संबंधित बीटेक/बीएससी डिग्री अभी देश के किसी भी संस्थान में नहीं शुरू है लेकिन पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक करायी जा रही है. जेनेटिक इंजीनियरिंग से लैस कई उत्पाद आज बाजार में उपलब्ध हैं.

पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर के काफी कम संस्थान हैं जहां जेनेटिक की पढ़ाई होती है लेकिन अधिकतर संस्थानों में जेनेटिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई ग्रेजुएशन स्तर पर होती है और बीटेक संचालित किया जाता है. इसके तहत जेनेटिक मेकअप के अलावा विशिष्ट जींस का अध्ययन किया जाता है.

जेनेटिक इंजीनियरिंग यह विज्ञान की अत्याधुनिक ब्रांच है, जिसमें सजीव प्राणियों के डीएनए कोड में मौजूद जेनेटिक को अत्याधुनिक तकनीक के जरिए परिवर्तित किया जाता है. जेनेटिक तकनीक द्वारा ही रोग प्रतिरोधक फसलें और सूखे में पैदा हो सकने वाली फसलों का उत्पादन किया जाता है. बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र में जेनेटिक इंजीनियरिंग का इस्तेमाल बृहद पैमाने पर होता है. छात्र ने 12वीं लेवल पर फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स और बायोलॉजी का अध्ययन किया है, उनके लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग का क्षेत्र बेहतरीन विकल्प है.

लेकिन इस फील्ड में आगे तभी बढ़ा जा सकता है जब आप विषय को अच्छी तरह समझ सकें. तभी रोजगार भी मिल सकता है. पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर के काफी कम संस्थान हैं जहां जेनेटिक की पढ़ाई होती है लेकिन अधिकतर संस्थानों में जेनेटिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई ग्रेजुएशन स्तर पर होती है और बीटेक संचालित किया जाता है. इसके तहत जेनेटिक मेकअप के अलावा विशिष्ट जींस का अध्ययन किया जाता है. जो छात्र जेनेटिक्स या जेनेटिक इंजीनियरिंग का अध्ययन करना चाहते हैं उन्हें गहरे तौर पर 12वीं स्तर पर फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स और बायोलॉजी का अध्ययन करना चाहिए. जेनेटिक्स बायोटेक्नोलॉजी के व्यापक क्षेत्र का हिस्सा है. बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री पूरी तरह जेनेटिक्स पर आधारित है क्योंकि इसी के जरिए फार्मास्यूटिकल्स के प्रोडक्ट मसलन, इंसुलिन या दूसरी दवाइयां बनती हैं. मेडिकल फील्ड में जेनेटिक्स का फोकस बीमारियों, बीमारियों के मॉल्यूक्युलर आधार और इससे बचाव पर होता है. औद्योगिक उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी अहम भूमिका निभाता है खासकर बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में. इसके दायरे में बायोलॉजी की तमाम शाखाएं मसलन माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स और मॉलिकुलर बायोलॉजी के अलावा केमिकल और सिस्टम इंजीनियरिंग आते हैं. अधिकतर विविद्यालय जेनेटिक्स में अलग कोर्स संचालित नहीं करते बल्कि बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमेस्ट्री जैसे स्ट्रीम के तहत सब्सिडियरी विषय के तौर पर संचालित करते हैं. बीटेक लेवल पर जेनेटिक इंजीनियरिंग के कोर्स काफी कम ही जगह संचालित किए जाते हैं. यही कारण है कि अधिकतर छात्र बायोटेक्नोलॉजी या बॉयोकेमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक कोर्स में एडमिशन लेते हैं. दूसरा ऑप्शन यह है कि जेनेटिक्स, बॉयोलॉजिकल साइंस, लाइफ साइंसेज या बायोटेक्नोलॉजी में बीएससी की डिग्री हासिल करते हैं और तब जेनेटिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन.

करियर

यदि जेनेटिक से संबंधित डिग्री लेने के बाद आप वैज्ञानिक बनना चाहते हैं तो आपको डॉक्टोरल डिग्री लेनी होगी. रिसर्च और डेवलपमेंट ऑग्रेनाइजेशन, फार्मास्यूटिकल कंपनियों, बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्रीज के अलावा एकेडमिक इंस्टीटयूशन आदि में संभावनाएं हैं.

संस्थान

किसी भी आईआईटी में जेनेटिक इंजीनियरिंग में बीटेक का कोर्स नहीं हैं. इसके बदले बायोटेक्नोलॉजी और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग प्रोग्राम ऑफर करते हैं. आईआईटी, चेन्नई में बायोटेक्नोलॉजी में बीटेक और पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक प्रोग्राम है. आईआईटी खड़गपुर में बायोटेक्नोलॉजी और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक और पांच वर्षीय डयूएल एमटेक का कोर्स है.

आईआईटी गुवाहाटी में बायोटेक्नोलॉजी में बीटेक कोर्स है. आईआईटी दिल्ली में बायोके मिकल इंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलॉजी में पांच वर्षीय डयूएल डिग्री एमटेक कोर्स संचालित किया जाता है. आईआई टी रुड़की में बॉयोटेक्नोलॉ जी में एमटेक कोर्स है. पुणो वि.विद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी में एमएससी और एमटेक प्रोग्राम संचालित किये जाते हैं. यहां वि.विद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर एडमिशन होते हैं.

अन्य संस्थान

दिल्ली विविद्यालय दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली
उस्मानिया वि. विद्यालय, हैदराबाद
पंजाब एग्रीकल्चरल वि. विद्यालय, लुधियाना
चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चरल वि.विद्यालय, हिसार
आंध्रा वि.विद्यालय, विशाखापत्तनम
मद्रास वि,विद्यालय, चेन्नई
बनारस हिंदू वि.विद्यालय, वाराणसी

ऑस्ट्रेलिया ने यौन शोषण कंटेंट मामले में एक्स पर लगाया 380,000 डॉलर से ज्यादा का जुर्माना

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के ईसेफ्टी कमिश्नर ने बाल यौन शोषण कंटेंट का पता लगाने, हटाने और रोकने के तरीके के बारे में जानकारी न देने पर एक्स कंपनी पर 610,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (380,000 डॉलर से ज्यादा) का जुर्माना लगाया है। वहीं गूगल को चेतावनी जारी की गई है। ईसेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने कहा कि ऑनलाइन बाल यौन शोषण का प्रसार ऑस्ट्रेलिया और विश्व स्तर पर एक बढ़ती समस्या है, और प्रौद्योगिकी कंपनियों की बच्चों को उनकी सेवाओं पर संग्रहीत, साझा और किए जा रहे यौन शोषण और दुर्व्यवहार से बचाने की नैतिक जिम्मेदारी है। ग्रांट ने कहा, ट्विटर/एक्स ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि बाल यौन शोषण से निपटना कंपनी की प्राथमिकताओं में पहले नंबर पर है, लेकिन यह सिर्फ खोखली बात नहीं हो सकती, हमें ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक्स के पास ईसेफ्टी कार्यालय के जुर्माने का जवाब देने या भुगतान करने के लिए 28 दिन का समय हैं। उन्होंने कहा, एप्पल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट, स्काइप, स्नैप, व्हाट्सएप और ओमेगल की विशेषता वाली हमारी पहली रिपोर्ट में ये कंपनियां इस मुद्दे से निपटने के तरीके में गंभीर कमियों को उजागर करती हैं। ग्रांट ने कहा, नई रिपोर्ट में इसी तरह की कमियों का भी पता चलता है कि ये पांच टेक कंपनियां समस्या से कैसे निपट रही हैं, वे यौन उत्पीड़न में वृद्धि से कैसे निपट रही हैं और हमें उन सभी को बेहतर करने की जरूरत है। ईसेफ्टी ने पाया कि दो प्रदाताओं एक्स और गूगल ने दिए गए नोटिस का अनुपालन नहीं किया, दोनों कंपनियां अपने संबंधित नोटिस में कई सवालों के पर्याप्त जवाब देने में विफल रहीं। गूगल को एक औपचारिक चेतावनी जारी की गई है, जिसमें कंपनी द्वारा विशिष्ट प्रश्नों के लिए कई सामान्य प्रतिक्रियाएं प्रदान करने और विशिष्ट सेवाओं के बारे में सवाल पूछे जाने पर समग्र जानकारी प्रदान करने के कारण अनुपालन में विफलता के बारे में सूचित किया गया है। ट्विटर/एक्स का गैर-अनुपालन अधिक गंभीर पाया गया। कंपनी कुछ सवालों के जवाब देने में विफल रही, जिससे कुछ अनुभाग पूरी तरह से खाली रह गए।

पाकिस्तान में सैन्य अभियानों में दो सैनिक, दो आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो सैन्य अभियानों में दो सैनिक और दो आतंकवादी मारे गये है। सेना ने यह जानकारी दी है। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने सोमवार रात एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों की प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर आतंकवादियों से मुठभेड हो गयी। आईएसपीआर ने कहा कि पहली मुठभेड़ दक्षिण वजीरिस्तान जिले के अस्मान मुंजा इलाके में हुई, जिसमें एक आतंकवादी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में एक सैनिक भी मारा गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य अभियान में प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीरान शाह इलाके में आतंकवादियों के साथ हुई गोलीबारी के दौरान एक सैनिक और एक आतंकवादी की मौत हो गई। बयान में कहा गया है पाकिस्तान में सुरक्षा बल देश से आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गाजा में ग्यारह फिलिस्तीनी पत्रकारों की हत्या

गाजा। गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में कम से कम 11 फिलिस्तीनी पत्रकार मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए है। फिलिस्तीनी पत्रकार सिंडिकेट ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक प्रेस बयान में सिंडिकेट ने कहा कि गाजा पर 10 दिनों से जारी इजरायली हवाई हमलों में 50 स्थानीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संगठनों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, दो पत्रकार लापता हो गए हैं। ये दोनों पत्रकार गाजा में सत्तारूढ़ फिलिस्तीनी इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) और इज़रायल के बीच तनाव को कवर कर रहे थे। बयान में यह भी कहा गया कि गाजा में लगातार बिजली कटौती और इंटरनेट समस्या के कारण पत्रकारों की कवरेज जारी रखने की क्षमता सीमित हो गई है। सिंडिकेट ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पत्रकारों की सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप करने का आह्वान करते हुए कहा, 'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई पत्रकारों को इज़रायल से सीधे धमकियों का सामना करना पड़ा।'

मध्य पूर्व में हिंसा ख़त्म करने, स्थिति स्थिर करने के लिए साझेदारों के साथ समन्वय करने को तैयार : रुस

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि रूस फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष में हिंसा को समाप्त करने और स्थिति को स्थिर करने के लिए सभी रचनात्मक विचारधारा वाले भागीदारों के साथ समन्वय करने के लिए तैयार है। रूसी नेता ने सोमवार को सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद, ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी, फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी के साथ अलग-अलग टेलीफोन पर बातचीत के दौरान यह बयान दिया, जिसमें नेताओं ने इजराइल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष में हालिया वृद्धि पर चर्चा की। पुतिन ने नागरिकों के खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसा की अस्वीकार्यता पर जोर दिया और कहा कि मॉस्को सभी आवश्यक मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्तावित रूस के मसौदा प्रस्ताव में तत्काल मानवीय संघर्ष विराम के कार्यान्वयन का आह्वान किया गया है, उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव का किसी भी तरह से राजनीतिकरण नहीं किया गया है।

एस्टेरॉयड की छह साल की यात्रा पर भेजा अंतरिक्ष यान

केप केनावेरल । अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अंतरिक्ष यान को दुर्लभ धातु के आवरण वाले एक एस्टेरॉयड की छह साल की यात्रा पर भेजा गया। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी प्रारंभिक ग्रह के 'कोर' के टूटे हुए अवशेष हो सकते हैं, और पृथ्वी और अन्य चट्टानी ग्रहों के दुर्गम केंद्रों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकते हैं।' स्पेसएक्स' ने नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष यान को रवाना किया। इसका नाम उस एस्टेरॉयड के नाम पर रखा गया है जिसका यह पीछा कर रहा है, 'साइके' के 2029 में विशाल, आलू की आकृति जैसी इस वस्तु तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही। दशकों तक चट्टान,

बर्फ और गैस की सुदूर दुनिया की यात्रा करने के बाद, नासा धातु के आवरण वाले इस तरह की वस्तु का अन्वेषण करने के लिए उत्साहित है। अब तक खोजे गए लगभग नौ धातु-समृद्ध एस्टेरॉयड में से, साइके सबसे बड़ा है, जो लाखों अन्य अंतरिक्ष चट्टानों के साथ मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य एस्टेरॉयड बेल्ट के बाहरी हिस्से में सूर्य की परिक्रमा करता है। इसकी खोज 1852 में की गई थी और इसका नाम ग्रीक पौराणिक कथाओं की आत्मा की देवी के नाम पर रखा गया था। एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रमुख वैज्ञानिक लिंडी एल्किंस-टैंटन ने कहा, 'हमारी पृथ्वी के धातु के कोर में जाना मनुष्य का लंबे समय से सपना रहा है।' उन्होंने कहा, 'वहां दबाव बहुत ज्यादा है। तापमान बहुत अधिक है। प्रौद्योगिकी पहुंचाना असंभव है। लेकिन हमारे सौर मंडल में एक तरीका है जिससे हम धातु कोर को देख सकते हैं और वह है इस एस्टेरॉयड पर जाकर।' खगोलविदों को रडार और अन्य अवलोकनों से पता चला है कि यह एस्टेरॉयड बड़ा है - लगभग 144 मील चौड़ा और 173 मील लंबा। उनका मानना है कि यह लोहे, निकल और अन्य धातुओं से भरा हुआ है। उन्होंने कहा, यह भी संभव है कि एस्टेरॉयड के लोहे और निकल में थोड़ी मात्रा में सोना, चांदी, प्लेटिनम या इरिडियम घुले हों। अंतरिक्ष यान की इस यात्रा के दौरान एक प्रायोगिक संचार प्रणाली भी उसके साथ है, जो गहरे अंतरिक्ष से पृथ्वी तक डेटा के प्रवाह को विस्तारित करने के प्रयास में रेडियो तरंगों के बजाय लेजर का उपयोग करती है। अंतरिक्ष यान को एक साल पहले रवाना किये जाने की उम्मीद थी, लेकिन कुछ प्रबंधकीय व तकनीकी कारणों से परीक्षण में देरी के कारण इसे रोक दिया गया था। इसलिए, मूल योजना के अनुसार 2026 में क्षुद्रग्रह पर पहुंचने के बजाय, अंतरिक्ष यान 2029 तक वहां पहुंचेगा। बताया जा रहा है कि अधिकांश एस्टेरॉयड चट्टानी या बर्फीले होते हैं, लेकिन यह धातु की दुनिया की पहली खोज बताई जा रही है।

भारत के खिलाफ जिहाद के लिए तैयार हो जाइए, पाकिस्तान के परमाणु हथियार...

इजरायल विरोधी रैली में नवाज शरीफ के दामाद ने उगला जहर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ के दामाद और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के नेता कैप्टन सफदर ने पेशावर में फिलिस्तीन समर्थक रैली में खुलेआम भारत और इजरायल को लेकर भड़काऊ बयान दिया। रैली को हमास नेताओं ने संबोधित किया था और इसका आयोजन एक इस्लामी राजनीतिक दल ने किया था। उन्होंने कश्मीर और फिलिस्तीन को लेकर भारत और इजराइल पर निशाना साधा। सफदर ने कहा कि अगर मुसलमान जिहाद नहीं करते हैं, तो अपमान उनका इंतजार करता है। रैली को संबोधित करते हुए सफदर ने कहा कि मुसलमानों अगर जिहाद के लिए तैयार न रहे तो फिर जिल्लत का सामना है। जिहाद के लिए तैयार रहो। गजवा ए हिंद के लिए तैयार रहो।

रैली का आयोजन जमीयत ए उलेमा इस्लाम ने इजरायल के गाजा पट्टी पर एयरस्ट्राइक के विरोध में किया गया। जिसे दो हमास नेताओं द्वारा भी संबोधित किया गया। सफदर ने शनिवार को पेशावर में फिलिस्तीन समर्थक रैली में बोलते हुए गाजा में युद्ध का जिक्र किया और कहा कि फिलिस्तीन में महिलाओं पर हमला किया जा रहा है। फिर उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान का परमाणु बम केवल इस देश के लिए नहीं बल्कि सभी मुसलमानों के लिए है। सफ़दर ने भीड़ से आगे कहा कि

जिहाद के लिए तैयार हो जाओ। आज, फ़िलिस्तीन के लोग आपकी ओर देख रहे हैं...गाज़ा के मुसलमानों को बताएं कि हम आपके साथ हैं। गाज़ा के मुसलमान, हम आपके साथ हैं। हम उत्पीड़ित फ़िलिस्तीनियों के साथ हैं।

इज़राइल गाजा के साथ युद्ध में है, जिस पर फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास का नियंत्रण है। युद्ध तब शुरू हुआ जब हमास ने इज़राइल पर सबसे घातक हमला किया, जिसमें 1,300 से अधिक इज़राइली मारे गए। हमले के जवाब में इजराइल गाजा में हवाई हमले कर रहा है। कुछ देशों में मुसलमानों ने हमास का समर्थन किया है और इज़राइल से दशकों पुराने फ़िलिस्तीनी मुद्दे को सुलझाने के लिए कहा है।

महात्मा गांधी ने ना केवल राजनीतिक प्रेरणा दी, बल्कि कूटनीतिक के भी प्रोत्साहक रहे : एस जयशंकर

हनोई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि आज हिंसा और संघर्ष से घिरी दुनिया में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता बहुत ही महान है क्योंकि उन्होंने ना केवल राजनीतिक प्रेरणा दी, बल्कि वे कूटनीति के भी प्रोत्साहक रहे।

वियतनाम के 'हो ची मिन्ह' शहर में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा के अनावरण समारोह में जयशंकर ने सत्य, अहिंसा, स्वतंत्रता और लोगों की आजादी में योगदान को लेकर भारत के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'महात्मा गांधी निस्संदेह हमारे समकालीन विश्व की सबसे प्रतिष्ठित शख्सियतों में से एक हैं। सत्य, अहिंसा, स्वतंत्रता और लोगों की आजादी में उनके योगदान को संयुक्त राष्ट्र ने उनके जन्मदिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में घोषित करके मान्यता दी है।' चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रविवार को वियतनाम पहुंचे जयशंकर ने कहा कि गांधी ने न केवल भारत को एकजुट किया बल्कि अन्य देशों, महाद्वीपों और लोगों को भी इसी तरह की चाहत के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'महात्मा गांधी का योगदान इससे भी कहीं आगे तक है। आज उनके विचार मानवीय गरिमा, सामाजिक मूल्यों, आध्यात्मिकता, पर्यावरण, स्थिरता, स्वच्छता और कई अन्य क्षेत्रों के लिए एक बहुत शक्तिशाली प्रेरणा हैं।'

मुसलमानों को कोई नहीं रोक सकता अगर... इजरायल को ईरान के खामेनेई की चेतावनी

रियाद (एजेंसी)। ईरानी राज्य टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने मंगलवार को कहा कि अगर गाजा में इजरायल के अपराध जारी रहे तो दुनिया भर के मुसलमानों और प्रतिरोध बलों को कोई नहीं रोक पाएगा। खामेनेई ने कहा कि अगर फिलिस्तीनियों के खिलाफ ज़ायोनी शासन के अपराध जारी रहे तो कोई भी मुसलमानों और प्रतिरोध बलों का सामना नहीं कर सकता। गाजा पर बमबारी तुरंत बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ज़ायोनी शासन के अधिकारियों पर गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ उनके अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

ईरान मध्य पूर्व के आसपास अपने गठबंधन वाले सशस्त्र समूहों को प्रतिरोध धुरी का हिस्सा बताता है।

1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान के मौलवी शासक फिलिस्तीनी मुद्दे के समर्थन में मुखर रहे हैं। तेहरान हमास को समर्थन देने, गाजा को नियंत्रित करने वाले इस्लामी समूह को वित्त पोषण और हथियार देने का कोई रहस्य नहीं रखता है। 7 अक्टूबर को दक्षिणी इज़राइली शहरों में हुए हमले के दौरान समूह के बंदूकधारियों द्वारा 1,300 लोगों, मुख्य रूप से नागरिकों की हत्या के बाद इज़राइल ने हमास को नष्ट करने की कसम खाई है, जो इज़राइल के 75 साल के इतिहास में सबसे घातक एक दिन था।

इज़राइल ने गाजा पट्टी पर हवाई हमलों में बमबारी की है जिसमें 2,800 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें से एक चौथाई बच्चे हैं और 2.3 मिलियन गाजावासियों में से लगभग आधे को उनके घरों से निकाल दिया गया है। इसने एन्क्लेव पर पूर्ण नाकाबंदी लगा दी है, जिससे भोजन, ईंधन और चिकित्सा आपूर्ति अवरुद्ध हो गई है, जो तेजी से खत्म हो रही हैं।

सऊदी के क्राउन प्रिंस सलमान ने अमेरिका के विदेश मंत्री को घंटों कराया इंतजार

- अमेरिका के प्रति नाराजगी जाहिर करना हो सकती है वजह

जेद्दा (एजेंसी)। सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान(एमबीएस) इन दिनों अमेरिका से बेहद नाराज बताए जा रहे हैं। जिसके चलते उन्होंने अमेरिकी विदेशी मंत्री ब्लिंकन को मुलाकात के लिए न केवल घंटों इंतजार कराया बल्कि उस दिन मुलाकात को टाल दिया और दूसरे दिन उनसे मुलाकात की। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बैठक इजरायल पर हमास के हमलों के खिलाफ समर्थन जुटाने के ब्लिंकेन एमबीएस से मुलाकात करने पहुंचे थे। इसके बाद ब्लिंकन ने संवाददाताओं से कहा कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ उनकी बातचीत 'बहुत सार्थक' थी। जबकि दूसरी तरफ आ रही खबरों के मुताबिक कहा जा रहा है कि हमास और इजराइल को लेकर हुई चर्चा में दोनों के विचारों में काफी भिन्नता थी।

वहीं सऊदी की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक बैठक में क्राउन प्रिंस ने फिलिस्तीनियों को अपने वैध अधिकार प्राप्त करने और न्यायसंगत और स्थायी शांति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रिंस ने गाजा पर इजरायली नाकाबंदी को हटाने सहित संघर्ष को रोकने और अंतरराष्ट्रीय कानून को बनाए रखने के तरीके खोजने के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि ब्लिंकन को संकट कम करने और शांति स्थापित करने के लिए रियाद द्वारा किए जा रहे राजनयिक प्रयासों पर भी विचार करना चाहिए।

वहीं दूसरी तरफ अमेरिका के विदेश मंत्री ब्लिंकन संवाददाताओं पर बात करते हुए कहा कि इजरायल को हमास के इन हमलों के खिलाफ खुद का बचाव करने का पूरा हक है। साथ ही भविष्य में इस तरह की घटना न हो इसके लिए प्रयास करने का अधिकार भी इजराइल रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने प्रभाव और रिश्तों का उपयोग सिर्फ इसलिए कर रहा है ताकि आने वाले समय में इस तरह की घटनाओं को विराम लगाया जा सके।

जिनपिंग ने कजाखस्तान के राष्ट्रपति से की मुलाकात

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव से मुलाकात की। टोकायेव तीसरे बेल्ट एंड रोड फोरम में भाग लेने के लिए बीजिंग आये हुए हैं। जिनपिंग ने कहा कि वह अपने पुराने दोस्त से मिलकर बहुत खुश हैं। एक मजबूत, स्थिर और जीवंत चीन-कजाखस्तान संबंध दोनों देशों के विकास तथा पुनरुत्थान के साथ-साथ क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के अनुकूल हैं। उन्होंने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति कैसे बदलती है, चीन और कजाखस्तान को अच्छे पड़ोसी तथा दोस्ती की अवधारणा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाना चाहिए। साथ ही चीन-कजाखस्तान स्थायी व्यापक रणनीतिक साझेदारी और विकास को बढ़ावा देना चाहिए। चीन के राष्ट्रपति ने दोनों पक्षों से सहयोग को मजबूत करने, बेहतर नतीजे हासिल करने के लिए बेल्ट एंड रोड सहयोग को बढ़ावा देने और दोनों देशों के लोगों को अधिक लाभ पहुंचाने का आह्वान किया।

इमरान खान-कुरेशी से जुड़ा सिफर मामला, अभियोग को 23 अक्टूबर तक के लिए स्थगित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को देश के गुप्त कानूनों के कथित उल्लंघन के लिए सिफर मामले में पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान और उनके करीबी सहयोगी शाह महमूद कुरेशी के अभियोग को 23 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया। यह मामला एक गुप्त राजनयिक दस्तावेज़ से संबंधित है, जिसका उपयोग पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान ने पिछले साल अप्रैल में कथित तौर पर सत्ता से बाहर करने के लिए अपने विरोधियों की आलोचना करने के लिए किया था। कथित तौर पर दस्तावेज़ गायब हो गया। खान की पार्टी का आरोप है कि दस्तावेज़ में खान को पद से हटाने के लिए अमेरिका की ओर से धमकी दी गई थी।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जेल में मुकदमा चलाने के खिलाफ खान की याचिका खारिज करने के बाद सरकार द्वारा गठित विशेष अदालत ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद कमरे में सुनवाई की। न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने इस टिप्पणी के साथ सुनवाई 23 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी कि खान और पूर्व विदेश मंत्री कुरेशी को उस दिन दोषी ठहराया जाएगा। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बैरिस्टर सलमान सफदर और खालिद यूसुफ चौधरी 71 वर्षीय खान के वकील के रूप में उपस्थित थे।

कुरैशी की पत्नी और बेटी भी कोर्ट पहुंचीं। हालाँकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि उन्हें सुनवाई में शामिल होने की अनुमति दी गई थी या नहीं। सुनवाई के दौरान संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के विशेष अभियोजक शाह खावर, खान, कुरेशी और उनकी कानूनी टीमें सभी मौजूद थीं। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, खावर ने पत्रकारों को बताया कि अभियोग की कार्यवाही अगले सोमवार (23 अक्टूबर) को होगी।

बांग्लादेश, पाकिस्तान व रूस का गाजा प्रस्ताव सुरक्षा परिषद में विफल

- प्रस्ताव में इजरायल और गाजा में युद्धविराम का आह्वान किया गया था, लेकिन हमास का उल्लेख नहीं था

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। बांग्लादेश, पाकिस्तान, रूस और कई अरब देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पेश प्रस्ताव विफल हो गया है। इसमें इजरायल और गाजा में युद्धविराम का आह्वान किया गया था, लेकिन इसमें हमास का कोई उल्लेख नहीं किया गया था। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा एक बंद बैठक में आम सहमति बनाने के आखिरी मिनट के प्रयास के बावजूद परिषद के सदस्य एक आम दृष्टिकोण पर सहमत नहीं हो सके, इसके बाद सोमवार रात को प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। प्रस्ताव में हमास को इजरायल पर हमले के अपराधी के रूप में नामित नहीं किया गया था। परि?षद के स?थाई सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। जापान ने भी प्रस्ताव के ख़िलाफ़ मतदान किया. केवल रूस, चीन, मोज़ाम्बिक, गैबॉन और यूएई ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जबकि छह देश अनुपस्थित रहे। गाजा में मानवीय संकट बढ़ रहा है, इजरायली बमबारी में 2,700 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मिस्र की यात्रा की योजना की घोषणा की। इजराइल ने जमीनी हमले की आशंका में गाजा के उत्तरी हिस्से के लगभग 10 लाख लोगों को दक्षिण की ओर जाने के लिए भी कहा है।

गुटेरेस ने कहा है कि मध्य पूर्व रसातल के कगार पर है और उन्होंने इज़राइल से गाजा पर नाकाबंदी हटाने का आह्वान किया है, जहां भोजन और पानी की आपूर्ति खतरनाक रूप से कम हो रही है और लोग बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। गाजा मिस्र से सटा हुआ है और राहत सामग्री इसके माध्यम से भेजी जा सकती है और लोगों को गाजा छोड़कर अफ्रीकी देश में जाने की अनुमति दी जा सकती है। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि वह राफा क्रॉसिंग का दौरा कर सकते हैं, जो एन्क्लेव को मिस्र से जोड़ता है लेकिन अब गाजा जाने की उनकी कोई योजना नहीं है। यूएन में अमेरिकी स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि 7 अक्टूबर का

हमास हमला प्रलय के बाद से यहूदी लोगों का सबसे बुरा नरसंहार था और इसने सहस्राब्दियों से यहूदी विरोधी भावना को सतह पर ला दिया। उन्होंने हमास की तुलना आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट से की और कहा कि प्रस्ताव में हमास की निंदा करने में विफल रहकर, रूस एक आतंकवादी समूह को कवर दे रहा है जो निर्दोष नागरिकों पर क्रूरता करता है।

हमास के आतंकियों ने चला नया दांव, बंधकों को बना रहा हथियार

गाजा (एजेंसी)। गाजा में लगातार हो रही बमबारी से आतंकी संगठन हमास दहशत में है। खुद को बचाने और दुनिया को गुमराह करने के लिए अलग अलग दांव चल रहा है। अब हमास ने बंधकों को इस्तेमाल करना शुरु कर दिया है। इजरायल के म्यूजिक फेस्टिवल से जिन इजरायली नागरिकों को किडनैप किया था, अब हमास ने उसमें से एक 21 साल की लड़की मिआ शेम का वीडियो जारी किया है, जिसमें लड़की खुद को सुरक्षित बताते हुए नजर आ रही है।

वीडियो में डरी-सहमी लड़की कह रही है कि गाजा में वह ठीक तरह से रह रही है। लड़की यह दावा भी कर रही है कि हमास उसे मेडिकल ट्रीटमेंट दे रहा है। कहा जा रहा है कि इस तरह के वीडियो जारी कर हमास दुनियाभर में यह साबित करना चाह रहा है कि वह बंधकों का पूरा खयाल रख रहा है और उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया है। इजरायली मीडिया हाउस जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक हमास ने मिआ शेम का वीडियो अपने अरेबिक टेलीग्राम चैनल पर जारी किया है।वीडियो में दिखाया गया है कि हमास की खूंखार अल कासिम ब्रिगेड का कमांडर लड़की को मेडिकल ट्रीटमेंट दे रहा है। वीडियो में लड़की कहती है कि वह बुरी तरह से घायल हो गई थी जिसका उपचार चल रहा है।

इजरायल के आर्मी रेडियो की तरफ से बताया गया कि जैसे ही हमले की रिपोर्ट आई, मिआ शेम की मां केरेन शेम ने उनके (मिआ) मोबाइल पर कॉल किया। लेकिन दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने फेसबुक पर भी पोस्ट किया की उनकी बेटी लापता है, लेकिन किसी ने भी उनकी खोज खबर नहीं ली। मिआ की आंटी गैलिट ने बताया कि उन्होंने टेलीग्राम पर मिआ का वीडियो देखा। गैलिट ने कहा,मुझे लगा मैं सपना देख रही हूं। पूरे 10 दिनों के बाद हमने अपनी बेटी का चेहरा देखा। वह डरी हुई लग रही है। लेकिन हमें इस बात का संतोष है कि वह कम से कम जीवित तो है। हम चाहते हैं कि हमारी बेटी सही सलामत घर पहुंच जाए। वह अपनी सबसे पक्की दोस्त एल्या टोलेडानो के साथ म्यूजिक फेस्टिवल में गई थी। हम यह उसकी दोस्त के बारे में भी जानना चाहते हैं।

इस बीच इजरायल की सबसे चर्चित टीवी सीरीज फौदा के स्टार इत्ज़कि कोहेन ने इजरायल पर हुए हमास के हमले पर बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है,इजरायल में जो हुआ, वह काफी दर्दनाक है और अब भी जारी है। आतंकियों ने म्यूजिक फेस्टिवल में घुसकर जवानों और महिलाओं को गोली मारी। पूरे परिवार को उनके बेडरूम में जिंदा जला दिया। मां के सामने उनके

बच्चों के सिर कलम कर दिए गए। महिलाओं और बच्चों सहित 100 से ज्यादा इजरायली नागरिकों को किडनैप कर गाजा ले गए। इजरायल डिफेंस फोर्स का दावा है कि गाजा में हमास ने 199 इजरायलियों को बंधक बना रखा है। जबकि 7 अक्टूबर से लेकर अबतक हमास के हमलों में इजरायल के 1400 लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि इजरायल ने पिछले 10 दिन के युद्ध में हमास के 6 कमांडर एयर स्ट्राइक में मार गिराए हैं और गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक अब तक इस युद्ध में गाजा के अंदर 2800 लोग मारे गए हैं और उनमें लगभग एक चौथाई बच्चे हैं। इसके अलावा यह जंग और तेज होती जा रही है, जिससे जनहानि अधिक होने की संभावना है।

समृद्धि हाईवे पर सिर्फ 9 महीने में 1282 हादसे, 135 लोगों की गई जान !

मुंबई। बीते 15 अक्टूबर को हुए भीषण हादसे के बाद मुंबई-नागपुर समृद्धि हाईवे एक बार फिर सुर्खियों में है। इस घटना में 12 लोगों की मौत हुई थी. इस बीच समृद्धि हाईवे को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं. दिसंबर 2022 में समृद्धि हाईवे के खुलने के बाद से अब तक कुल 1282 दुर्घटनाएं हो चुकी हैं. जिसमें वाहन दुर्घटना की 67 घटनाएं शामिल हैं। इसमें कुल 135 लोगों की मौत हो चुकी है. उनमें से 37 की एक बड़ी दुर्घटना में मृत्यु हो गई। दरअसल महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास बोर्ड (एमएसआरडीसी) ने इस संबंध में जानकारी दी है. बताया गया है कि जुलाई में नशे में धुत एक ड्राइवर ने कार से नियंत्रण खो दिया. इसके बाद एक निजी एसी स्लीपर बस में आग लग गई. 15 अक्टूबर को एक घटना में 12 लोग मारे गए और 23 लोग घायल हो गए। एमएसआरडीसी ने इस संबंध में ताजा आंकड़े सामने लाये हैं. इसके मुताबिक, नौ महीने में करीब 48 लाख वाहनों ने नागपुर से इगतपुरी के भारवीर तक 600 किमी की दूरी तय की है। उधर आरोप लगाया जा रहा है कि आरटीओ अधिकारियों की ढिलाई के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, अधिकारियों ने इससे इनकार करते हुए कहा कि एक्सप्रेसवे में कोई इंजीनियरिंग खामी नहीं है। ऐसा भी कहा जाता है कि इंटरनेशनल रोड सुरक्षा सुविधाओं के साथ बनाए गए राजमार्गों में से यह एक है। यह भी कहा जाता है कि समृद्धि हाईवे पर दुर्घटनाओं की संख्या अन्य राज्य राजमार्गों की तुलना में कम है। इस साल अगस्त 2023 तक 855 दुर्घटनाएं हुईं. इनमें से 51 जानलेवा दुर्घटनाएं सामने आई हैं जिनमें 106 लोगों की मौत हो गई है. 23 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने समृद्धि एक्सप्रेसवे पर जब तक कि यह ठीक नहीं हो जाता तब तक यातायात को अस्थायी रूप से बंद करने की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) को नोटिस जारी किया।

– दुर्घटनाओं के पीछे कारण – नियंत्रण की कमी, स्किडिंग, फ्लैट टायर, यांत्रिक विफलता, आग, तेज गति और पीछे से टक्कर को इसके कारणों के रूप में रिपोर्ट किया गया है।

दिल्ली के कई हिस्सों में बारिश, हवाएं चलने से पारा आया नीचे

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में सोमवार को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। दिल्ली में हवाओं के कारण आज पारा गिरकर 30.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो मौसम के औसत से तीन डिग्री कम है। नोएडा, इंदिरापुरम, दक्षिणी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली के कुछ हिस्सों में गरज और बिजली कड़कने के साथ बारिश दर्ज की गई। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, 'भारी गरज और बारिश वाले बादल दिल्ली और एनसीआर में छाए हैं। पश्चिम से पूरब तक। तीव्र बारिश और ओलावृष्टि संभव है। ध्यान रखें।' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के कारण दिल्ली का अधिकतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, 'पिछले 24 घंटों में पारा 36.5 से 30.5 तक पहुंचा। न्यूनतम तापमान में भी गिरावट हो सकती है।

पंजाब में कांग्रेस के पूर्व विधायक कुलबीर सिंह गिरफ्तार

चंडीगढ़ । पूर्व कांग्रेस विधायक कुलबीर सिंह जीरा को पुलिस ने मंगलवार तड़के पंजाब के फिरोजपुर जिले के जीरा शहर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया और 31 अक्टूबर तक जेल भेज दिया। उन पर अपने समर्थकों के साथ एक खंड विकास कार्यक्रम अधिकारी (बीडीपीओ) के कर्तव्य के निर्वहन में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया था। जीरा ने बीडीपीओ कार्यालय पर पंचायतों को ग्रांट जारी करने में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। वह लोगों के हितों की अनदेखी करने पर बीडीपीओ के खिलाफ धरना दे रहे थे। गिरफ्तारी के बाद जीरा को उपमंडलीय न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने उनके आवास पर पेश किया गया और 31 अक्टूबर तक फिरोजपुर जेल भेज दिया गया।

महाराष्ट्र के सतारा में 3.3 तीव्रता का भूकंप

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। हालांकि इसमें अभी तक किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक सोमवार की रात 11:36 बजे महाराष्ट्र के सतारा में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.3 मापी गई है। इसका केंद्र जमीन के अंदर पांच किलोमीटर गहराई में था। समाचार लिखने तक कहीं से किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

पूर्ण शराबबंदी वाले बिहार में संदिग्ध जहरीली शराब त्रासदी में दो लोगों की मौत

पटना। पूर्ण शराबबंदी वाले बिहार के दरभंगा जिले में संदिग्ध जहरीली शराब त्रासदी में सोमवार को दो ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि कई लोग उपचाराधीन हैं। दरभंगा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार के अनुसार, सभी प्रभावित लोग रुस्तमपुर गांव के निवासी हैं और परिवार के सदस्यों के इस आरोप की जांच की जा रही है कि इन्होंने रविवार को जहरीली शराब का सेवन किया था। उन्होंने कहा, ''आज शाम को संतोष दास और भुखला सहनी की मृत्यु के तुरंत बाद परिवार के सदस्यों ने दोनों के शवों का अंतिम संस्कार कर दिया। इसलिए, पोस्टमॉर्टम नहीं किया जा सका। हम मृतकों के परिजन के बयान दर्ज कर रहे हैं।'' वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि घटना के संदर्भ में बीमार एवं मृतकों के परिजनों से पूछताछ की गई है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों द्वारा किसी भी प्रकार की शराब या किसी नशीले पदार्थ का सेवन से अभी तक इनकार किया गया है। इस संदिग्ध जहरीली शराब त्रासदी में बीमार हुए लोगों में लालटुन सहनी और अर्जुन दास शामिल हैं। अप्रैल, 2016 में नीतीश कुमार सरकार द्वारा बिहार में शराब की बिक्री और सेवन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था।

'स्वामी प्रसाद मौर्य को गोली मारने वाले को 25 करोड़ दूंगा...', जगतगुरु परमहंस का विवादित बयान

अयोध्या। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की तरह अयोध्या में चर्चा में बने रहने वाले जगतगुरु परमहंस आचार्य ने एक बार फिर बड़ा विवादित बयान दिया है. स्वामी प्रसाद मौर्य के रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम और भारत-पाकिस्तान बंटवारे में जिन्ना के बजाय हिंदू महासभा की भूमिका के संबंध में दिए गए बयान को लेकर परमहंस आचार्य ने कहा कि जो कुछ भी कहा गया उसे कतई सही नहीं ठहराया जा सकता.

उन्होंने सोमवार को कहा कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को जो गोली मारेगा मैं उसको 25 करोड़ रुपये का इनाम दूंगा. ये पैसे उसके घर भिजवा दूंगा और उसकी विधि सहायता करूंगा क्योंकि इसने सभी हदें पार कर दी हैं. अब इसको कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. इसके बावजूद भी अगर इसको कोई गोली नहीं मारता है तो जरूरत पड़ेगी तो मैं स्वयं इसको गोली मारूंगा.

जगतगुरु परमहंस आचार्य ने क्या कहा?

इस बयान के पहले उन्होंने जिन्ना और स्वामी प्रसाद मौर्य के पोस्टर जलाए. जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि देश का विभाजन करने वाला राक्षस मोहम्मद अली जिन्ना का हमने पुतला जलाया और जिन्ना पुत्र सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का भी पुतला जलाया. क्योंकि स्वामी प्रसाद मौर्य ने जो कहा वो सही नहीं है. मौर्य ने कहा कि देश के विभाजन का जिम्मेदार जिन्ना नहीं बल्कि हिंदू महासभा और वीर सावरकर हैं.

स्वामी प्रसाद मौर्य की आलोचना की

उन्होंने कहा कि अयोध्या से मैं तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य आज इनाम की घोषणा करता हूं कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को जो गोली मारेगा मैं उसको 25 करोड़ का इनाम दूंगा. स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान को सहन नहीं किया जाएगा. वे इससे पहले भी ऐसे बयान कई बार दे चुके हैं.

देश के 60 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है 'इंडिया' गठबंधन : राहुल गांधी

आइजोल (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' देश के 60 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से भी अधिक है। गांधी ने आरोप लगाया कि मिजोरम की दोनों प्रमुख पार्टियां मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) और विपक्षी ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) का इस्तेमाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ईसाई बहुल राज्य में पैर जमाने के लिए कर रही है।

उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस मिजोरम में सत्ता में आती है तो बुजुर्गों को दो हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन, 750 रुपये में गैस सिलेंडर और उद्यमियों को समर्थन देगी। मिजोरम में सात नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार के लिए चुनावी राज्य मिजोरम की यात्रा के दौरान राजधानी आइजोल में राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि विपक्षी गठबंधन अपने मूल्यों, संवैधानिक ढांचे और धर्म या संस्कृति से परे लोगों की खुद को अभिव्यक्त करने और सद्भाव से रहने की स्वतंत्रता को संरक्षित कर 'भारत की अवधारणा' की रक्षा करेगा।

भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा, 'हमारे देश के लिए उनका दृष्टिकोण हमसे अलग है। आरएसएस का मानना है कि भारत को एक ही

विचारधारा और संगठन द्वारा शासित किया जाना चाहिए, जिसका हम विरोध कर रहे हैं। हम विकेंद्रीकरण में विश्वास करते हैं जबकि भाजपा का मानना है कि सभी निर्णय दिल्ली में लिए जाने चाहिए।' उन्होंने दावा कि कांग्रेस मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव जीतेगी।

राहुल ने कहा, 'हम मध्य प्रदेश में भाजपा को समेट देंगे। हमने छत्तीसगढ़ में उनको हराया और दोबारा हराएंगे। पिछले चुनावों में राजस्थान में भाजपा को हराया था और यहां भी जीत दोहराएंगे। हम पूर्वोत्तर में भी ऐसा ही करेंगे। किसी को भी कांग्रेस को कम नहीं आंकना चाहिए।' उन्होंने भाजपा पर देश के संपूर्ण संस्थागत ढांचे पर कब्जा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश की नींव स्थापित करने में मदद की है और इस पुरानी पार्टी का उस नींव की रक्षा करने का इतिहास रहा है।

उन्होंने कहा, 'पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्य भाजपा और आरएसएस के हमलों का सामना कर रहे हैं, यह आपकी धार्मिक आस्थाओं की बुनियाद के लिए खतरा है। हम चाहते हैं कि मिजोरम के लोग अपने भविष्य को लेकर सही निर्णय लें और वे खुद को, अपनी धार्मिक या सामाजिक प्रथाओं को व्यक्त करने में सहज महसूस करें। हम नहीं मानते कि मिजोरम पर दिल्ली से शासन किया जाना चाहिए। हम राज्य के लोगों को सत्ता सौंपने में विश्वास करते हैं।'

भाजपा पर मिजोरम में पैर जमाने के लिए एमएनएफ और जेडपीएम को इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव मिजोरम की अवधारणा और स्थानीय निवासियों की स्वतंत्रता, परंपरा और धर्म की रक्षा करने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर एमएनएफ सीधे तौर पर भाजपा से जुड़ी हुई वहीं स्पष्ट कि जेडपीएम केंद्र में सत्तारूढ़ दल से मुकाबाल नहीं कर रही है। राहुल ने यह दावा किया, 'मिजोरम में कांग्रेस सरकार बनाएगी। राज्य के लोग सब समझते हैं कि क्या हो रहा हैज चुनाव में असली सवाल यही है कि क्या आरएसएस मिजोरम को शासन करने जा रहा है या नहीं। एमएनएफ या जेडपीएम के जरिये ऐसा किया जा सकता है।'

टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की जमानत याचिका, आंध्र हाईकोर्ट ने 19 अक्टूबर तक के लिए की स्थगित

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने कौशल विकास मामले में तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की जमानत याचिका 19 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। चंद्रबाबू नायडू की कानूनी टीम के कुछ सदस्यों की अनुपस्थिति के कारण टीम के बाकी सदस्यों ने सुनवाई को कल के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया लेकिन उच्च न्यायालय ने सुनवाई 19 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, आंध्र प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि फाइबरनेट घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू को 18 अक्टूबर तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने मामले में अग्रिम जमानत देने से इनकार करने के आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली नायडू की याचिका पर सरकार को नोटिस भी जारी किया और मामले की सुनवाई 17 अक्टूबर को तय की। शीर्ष अदालत इस सप्ताह की शुरुआत में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार करने के आदेश के खिलाफ नायडू की विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने नायडू द्वारा दायर एक अन्य याचिका पर भी गौर किया, जिसमें कौशल विकास घोटाले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई है। उन्होंने एफआईआर रद्द करने की उनकी याचिका खारिज करने के हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है।

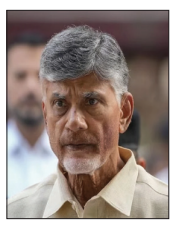

भारतीय सेना खरीदेगी आठ लैंडिंग अटैक क्राफ्ट और छह तेज गश्ती नौकाएं

–पाकिस्तान और चीन सीमा पर उन्नत नौकाओं के साथ तटीय अभियानों में बढ़त हासिल होगी

–सर क्रीक एरिया व ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सुरक्षित रखने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना चुनौतीपूर्ण समुद्री वातावरण में तेजी से प्रतिक्रिया देने के लिए लैंडिंग क्राफ्ट और तेज गश्ती नौकाओं के साथ सर क्रीक क्षेत्र में रणनीतिक क्षमताओं को बढ़ाएगी। सेना ने आठ लैंडिंग अटैक क्राफ्ट और 'मेक इन इंडिया इन डिफेंस' कार्यक्रम के तहत छह तेज गश्ती नौकाएं हासिल करने की प्रक्रिया शुरू की है। इससे भारतीय सेना को पाकिस्तान और चीन सीमाओं पर उन्नत नौकाओं के साथ तटीय अभियानों में बढ़त हासिल होगी।

भारतीय सेना ने 06 फास्ट पेट्रोल बोट और 08 लैंड क्राफ्ट की खरीद के लिए एक आरएफआई जारी किया है। सेना ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि लैंड क्राफ्ट को सर क्रीक क्षेत्र और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में वाहन, सामग्री के परिवहन, नाव गश्ती और सीमित खोज और बचाव के लिए तैनात किया जाना है। इसी तरह सर क्रीक क्षेत्र सहित समुद्र और जल निकायों पर निगरानी, गश्त और अवरोधन के लिए तेज़ गश्ती नौकाओं को तैनात किया जाना है।

भारतीय सेना के एक अधिकारी ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में क्रीक क्षेत्रों और नदी घाटियों में खोज और बचाव अभियान चलाने के लिए सेना समुद्री या नदी तट का उपयोग किए बिना जल निकायों के अंदर और बाहर आने में सक्षम होना चाहती है। इनके खरीदने का मकसद सर क्रीक क्षेत्र, ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन और सुंदरबन डेल्टा क्षेत्रों में अपने अभियानों को रणनीतिक बढ़त दिलाना है। भारत और पाकिस्तान की सीमा पर स्थित सर क्रीक क्षेत्र लंबे समय से भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बिंदु, सीमा पार घुसपैठ और तस्करी गतिविधियों का केंद्र रहा है। पाकिस्तान की समुद्री सीमा अरब सागर से मिलती है, जहां इसके जलमार्गों के जटिल नेटवर्क की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए विशेष समुद्री बल की आवश्यकता होती है, ताकि चुस्त और तीव्र प्रतिक्रिया दी जा सके। सेना की लैंडिंग क्राफ्ट और तेज गश्ती नौकाओं से समुद्री परिवहन को सक्षम करने के साथ ही विभिन्न इलाकों में तेजी से तैनाती करके प्रतिक्रिया दी जा सकेगी। इसके अतिरिक्त ये क्राफ्ट सैनिकों और सामग्रियों की आवाजाही को आसान बनाएंगी, जिससे महत्वपूर्ण परिदृश्यों में समय पर सुदृढ़ीकरण और रसद सहायता सुनिश्चित की जा सकेगी।

इसके अलावा ये क्राफ्ट गश्त करने और तटीय क्षेत्रों में निगरानी और सुरक्षा बढ़ाने में भी माहिर होंगी। यह रणनीतिक खरीद सर क्रीक एरिया और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सुरक्षित करने में भारतीय सेना के रुख के अनुरूप है, जिससे घुसपैठ और तस्करी जैसी अवांछित गतिविधियों की संभावना कम होगी। एकीकृत नेविगेशन सूट से लैस सेना की लैंडिंग क्राफ्ट को सभी गतिशील और स्थिर संपर्कों, समुद्र तट सुविधाओं, नेविगेशनल सहायता और बंदरगाह प्रतिष्ठानों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ऑपरेटरों के लिए व्यापक स्थितिजन्य जागरुकता सुनिश्चित करता है। इसमें लगा रडार स्वचालित पहचान प्रणाली, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और हेडिंग सेंसर सहित विभिन्न सेंसर से डेटा को एकीकृत करता है।

तटीय क्षेत्रों में पोत ट्रैकिंग की सटीक जानकारी देने के लिए एक हेडिंग सेंसर शामिल है, जिससे जहाज की पहचान और आसपास के क्षेत्र की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती है। यह इकाई समुद्री संचालन में विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिक जनरेटर आपूर्ति और माध्यमिक बैटरी आपूर्ति के बीच एक ऑटो-चेंजओवर तंत्र के साथ एक स्थिर बिजली आपूर्ति बनाए रखती है। इन जहाजों से कम से कम 40 समुद्री मील प्रति घंटे की अधिकतम गति की उम्मीद की जाती है, जिससे चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में भी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता सुनिश्चित होगी।

समलैंगिक विवाह, डेस्टिनेशन वेडिंग पर सिख धर्म के तमाम तख्त हुए सख्त, बठिंडा गुरुद्वारे के ग्रंथी को अयोग्य घोषित कर दिया

जयपुर (एजेंसी)। अकाल तख्त ने पिछले महीने बठिंडा गुरुद्वारे में समलैंगिक विवाह कराने के बाद वहां के पुजारियों को धार्मिक सेवाएं करने से अयोग्य घोषित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपना फैसला सुनाए जाने से एक दिन पहले अमृतसर में 'पंज सिंह साहिबान' (पांच सिख पादरी) की एक बैठक के बाद, सिखों की सर्वोच्च लौकिक संस्था, अकाल तख्त के जत्थेदार ने इस फैसले की घोषणा की थी। 18 सितंबर को बठिंडा जिले के गुरुद्वारा कलगीधर साहिब में दो महिलाओं ने शादी कर ली। इसके बाद, अकाल तख्त ने गुरुद्वारे के 'ग्रंथियों' (सिख पुजारियों), प्रबंधन और 'रागियों' (गुरबानी व्याख्याताओं) को निलंबित कर दिया था।

अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने कहा कि सिख सिद्धांतों के तहत समलैंगिक विवाह के लिए कोई जगह नहीं है और पुजारियों को धार्मिक सेवाएं करने से अयोग्य घोषित कर दिया। गुरुद्वारे के प्रमुख ग्रंथी हरदेव सिंह, पुजारी अजायब सिंह, 'रागी' सिकंदर सिंह और 'तबला वादक' सतनाम सिंह को 'सिख राहत मर्यादा' (आचार संहिता) का उल्लंघन करने के लिए पांच साल के लिए काली सूची में डाल दिया गया है। जत्थेदार ने सोमवार को कहा कि उन्हें किसी भी गुरुद्वारे या धार्मिक आयोजनों में कोई धार्मिक सेवा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्यों को किसी भी अन्य गुरुद्वारे में कोई भी पद संभालने से रोक दिया गया है। अकाल तख्त ने 2005 में समलैंगिक विवाह के खिलाफ 'हुकमनामा' (धार्मिक आदेश) जारी किया था जब ज्ञानी जोगिंदर सिंह वेदांती जत्थेदार थे। उन्होंने तब सिख समुदाय से आग्रह किया था कि वे किसी भी गुरुद्वारे में ऐसी शादियों की अनुमति न दें।

त्योहारों के मौसम में महंगाई से लोग परेशान, प्रधानमंत्री को चिंता नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित थोक महंगाई सितम्बर में नकारात्मक बने रहने की ओर ध्यान दिलाते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि त्योहारों के मौसम में महंगाई ने ग़रीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों का जीना मुहाल कर दिया है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसकी कोई चिंता नहीं है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित थोक महंगाई भारत में सितम्बर के दौरान लगातार छठे महीने नकारात्मक बनी रही। सितम्बर में यह शून्य से 0.26 प्रतिशत नीचे रही। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'महंगाई ने ग़रीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का जीना मुहाल कर दिया है। लेकिन प्रधानमंत्री को इसकी कोई चिंता नहीं है।

दाल-दूध जैसी दैनिक आवश्यकता की चीज़ों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसके कारण यह त्योहारी सीज़न भी फीका साबित हो रहा है।' उन्होंने सवाल किया कि ऐसा क्यों है कि आंकड़ों में थोक महंगाई दर घटती दिख रही है लेकिन ज़रूरी वस्तुओं की क़ीमतें लगातार बढ़ रही हैं? रमेश ने कहा, 'अब समय आ गया है कि मोदी जी आंकड़ों के माध्यम से लोगों की आंखों में धूल झोंकना बंद करें और रिटायरमेंट ले लें। तभी देश को मोदी-मेड महंगाई से राहत मिलेगी।'

दिल्ली हाई कोर्ट से मिली राहत पर बोले राघव चड्ढा, यह मकान या दुकान नहीं, संविधान को बचाने की लड़ाई है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा मंगलवार को ट्रायल कोर्ट के पूर्व आदेश को रद्द करने के बाद आप सांसद राघव चड्ढा को अपना सरकारी बंगला खाली नहीं करना पड़ेगा। उच्च न्यायालय ने राज्यसभा सचिवालय को उन्हें आवंटित सरकारी बंगले से बेदखल करने से रोकने वाले निचली अदालत के अंतरिम आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका आज स्वीकार कर ली। इसकी को लेकर राघव चड्ढा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये मकान या दुकान की नहीं, संविधान को बचाने की लड़ाई है।

अपने एक्स पोस्ट में राघव चड्ढा ने कहा कि ये मकान या दुकान की नहीं, संविधान को बचाने की लड़ाई है। अंततः सत्य और न्याय की जीत हुई। मुझे मेरे आधिकारिक आवास से बेदखल करने के अन्यायपूर्ण आदेश को रद्द करने के माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले पर मेरा बयान। उन्होंने कहा कि इस आवंटन को रद्द करना राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट मामला था, जिसका उद्देश्य एक युवा, मुखर सांसद को चुप कराना था। मेरे

आधिकारिक आवास को रद्द करने का निर्णय मनमाना, अनुचित और अन्यायपूर्ण था, जो राजनीतिक प्रतिशोध में एक नए निचले स्तर का प्रतिनिधित्व करता है। आप नेता ने कहा कि विपक्षी आवाजें, जो लाखों भारतीयों की चिंताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, चड्ढा ने कहा कि उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की आलोचना करते हुए संसद में दो भाषण दिए हैं, और उनके पहले भाषण के बाद, उनका आधिकारिक आवास रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मेरे दूसरे भाषण के बाद, एक सांसद के रूप में मेरी सदस्यता निलंबित कर दी गई। कोई भी सांसद तब तक काम नहीं कर सकता जब तक उसे यह चिंता न सताए कि उसके स्पष्ट और ईमानदार भाषण की उसे आगे क्या कीमत चुकानी पड़ेगी।

चन्द्रमा पर 2040 तक मानव भेजने की तैयारी करने के अंतरिक्ष विभाग को मोदी ने दिये निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयान मिशन की तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें आने वाले समय में अंतरिक्ष में खोज के भारत के प्रयासों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, भारत 2035 तक अंतरिक्ष में अपना स्टेशन (केन्द्र) स्थापित करेगा और 2040 तक चंद्रमा पर मानव को पहुंचाएगा। भारत इस समय मंगल और शुक्र ग्रहों के अध्ययन के अभियान में भी लगा हुआ है।

आज की समीक्षा बैठक में अंतरिक्ष विभाग ने प्रधानमंत्री के समक्ष गगनयान मिशन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। विभाग ने इस दिशा में अब तक विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों के विकास में हुयी प्रगति की जानकारी दी। मनुष्य को अंतरिक्ष में ले जाने वाले में प्रयोग किए जा सकने वाले प्रक्षेपण वाहनों की प्रौद्योगिकी और उपयुक्त प्रणालियों के विकास में प्रगति शामिल है। बैठक में बताया गया कि अंतरिक्ष में मानव भेजने के तैयारियों के सिलसिले में बड़े परीक्षण किए जाएंगे, जिनमें तीन परीक्षण मनुष्यों की अंतरिक्ष यात्रा के लिए उपयुक्त प्रक्षेपणयान (एचएलवीएम3) के प्रक्षेपण की योजना है। एचएलवीएम3 के तीन अभियान मानवरहित होंगे।

विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अंतरिक्ष अभियान के क्षेत्र में भारत की अब तक की सफलताओं की नींव पर अब देश को नये महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, उन्होंने इसी सन्दर्भ में 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक चाँद पर भारत का पहला मानव मिशन भेजने का लक्ष्य रखा।

उल्लेखनीय है कि भारत ने चंद्रयान तीन मिशन और आदित्य एल वन मिशन के साथ अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में लम्बी छलांग लगाई है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री के इस सपने को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष विभाग चन्द्रमा पर खोज कार्यों के लिए वृहद् योजना तैयार करेगा, इसके तहत कई चंद्रयान मिशन शुरू किये जाएंगे, एक नई पीढ़ी का प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) विकसित किया जरएगा, एक नया प्रक्षेपण मंच का निर्माण किया जाएगा और मानव केंद्रित प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी तथा उनसे जुड़ी प्रौद्योगिकी का विकास किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों को शुक्र की परिक्रमा करने वाले

उपग्रह और मंगल पर उतरने वाले यंत्र 'मार्स लैंडर' की तैयारी करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं पर विश्वास जताया और कहा कि भारत इस दिशा में नई ऊचाइंयों को छूने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत मनपा में अवैध रूप से कार्य पूरा करने के लिए मनपा के पदाधिकारी करा रहे अधिकारीयों पर दबाववश कार्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भाग-1

सूरत,सूरत मनपा भष्टाचार एक पेड़ साबित हो रहा है, हालांकि अभी एकाएक उधना ज़ोन-बी में बदली कर नियुक्ति किया गई अधिकारीयों की सामने कई सवाल खड़े हो गईं हैं, जिस कार्य को बदली किये गई अधिकारीयों द्वारा मंजूरी नही दिया गया था वह कार्य अभी पूरा कर दिया गया है, इसी तरह उधना ज़ोन -ऐ में भी जमीन के कब्जा लेने गई सूरत मनपा की टीम पर ग्रामीणवासियों की एकता देख कर सूरत मनपा की टीम भाग कर वापस आ गई. जिसके चलते सूरत मनपा के अधिकारीयों पर और पदाधिकारियों पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, क्या सूरत मनपा अवैध रूप से इस प्रकार के कार्य के लिए कोई कार्यवाही करेंगे या फिर अवैध कार्य को निति-नियम के मुताबिक खोटाला कर कार्य पूरा किया जायेगा.

सूरत उधना पुलिस स्टेशन क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का आतंक, सरेआम दबंगई की पूरी वारदात सी.सी.टी.वी में कैद हुआ

पेट्रोल पंप पर आने वाले लोगों के साथ मारपीट करते हुए सी.सी.टीवी में कैद हुआ घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत उधना पुलिस स्टेशन क्षेत्र में असामाजिक तत्वों ने जनता को आतंकित कर दिया है.उधना क्षेत्र में पेट्रोल पंप पर आए चार युवकों ने कुछ लोगों के साथ मारपीट कर भय का माहोल पैदा कर किया, पहले बाइक चालक, फिर कार चालक और फिर पेट्रोल पंप कर्मचारी की पिटाई कर पेट्रोल पंप पर दहशत फैला दी गई।सरेआम दबंगई की पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई.इस मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस ने कुछ ही घंटों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

उधना इलाके में पेट्रोल पंप पर 4 उपद्रवी युवकों ने मानो पुलिस का खौफ ही नहीं मचाया.जो लोग पेट्रोल पंप पर दिखे उन पर टूट पड़े।दो मोपेड पर सवार 4 युवकों ने झगड़ा कर बखेड़ा खड़ा कर दिया।बिना वजह एक के बाद एक लोगों को पीटते युवक सीसीटीवी में कैद हुए हैं.

मोपेड पर सवार 4 युवकों की दबंगई पहले एक व्यक्ति को पीटने की कोशिश की, लेकिन वह भाग निकला।ये असामाजिक तत्व जाते-जाते फिर रूकते हैं और पेट्रोल पंप पर खड़ी कार के ड्राइवर से बेकार की बातें करते हैं और कार में लात मारते हैं।बाद में ड्राइवर भी डरकर वहां से भाग जाता है.बाद में ये असामाजिक तत्व पेट्रोल पंप कर्मचारी पर हमला कर देते हैं. पुलिस ने विडीयो वायरल होने पर दो आरोपियों को पकड़ लिया उधना पुलिस स्टेशन पीआई एसएन देसाई ने कहा कि पेट्रोल पंप पर हुई घटना में कोई भी शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आया।लेकिन इस घटना का सीसीटीवी वायरल होने के बाद वह पुलिस के पास पहुंच गए.उस वक्त घटना की गंभीरता को देखते हुए उधना पुलिस ने तुरंत पुलिस की अलग-अलग टीमों को असामाजिक तत्वों को पकड़ने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का जिम्मा सौंपा.इस बीच गुंडागर्दी में शामिल चार असामाजिक तत्वों में से दो को कुछ ही घंटों में पकड़ लिया गया है।जबकि दो अन्य आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा. इस प्रकार पुलिस ने भी कार्यवाही कर पुलिस ने बिना फरियाद दर्ज करवाए ही कार्यवही कर दिया.

सूरत के मसाला व्यापारी को सस्ते हीरे का लालच देकर नेपाल ले जाया गया और रूपये के लिए बंधक बना लिया गया

7.56 लाख की लूट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उतराण के रहने वाले एक मसाला व्यापारी को सस्ते हीरे दिलाने का लालच देकर ठगों ने नेपाल बुलाया और व्यापारी व उसके दोस्त को बंधक बनाकर उनसे 50 हजार रूपये की ठगी की। उत्तराण पुलिस के बही खाते में 7.56 लाख दर्ज है।

भावनगर के उमराला के केरिया गांव के मूल निवासी अल्पेश बाबूभाई काकडिया (मृत्यु 33) उत्तराण के सिल्वर पैलेस के बगल में पार्क एवेन्यू में रहते हैं, जो दुबई में किराने का सामान और काली मिर्च मसालों के आयात-निर्यात व्यवसाय में लगे हुए हैं।

गत 3 अक्टूबर को जब वह अपने दोस्तों से मिलने सीमाड़ा जा रहा था, तभी रोहित चंद्रकांत रंगाणी (निवासी व्रजभूमि, सीमाड़ा) ने व्हाट्सएप कॉल कर आपके मित्र कौशिक चौड़िया का नंबर दिया। और उनके पास सस्ते में बेचने के लिए 50 से 60 लाख का सामान है, इसलिए आपने सामान देखने के लिए बुलाया था। पहले तो अल्पेश ने यह कहकर बात टाल दी कि उसके पास समय नहीं है, लेकिन फिर उसके पास दोबारा फोन आया और उसने हीरा देखने आने की तैयारी दिखाई. जिसके बाद रोहित ने फोन रख दिया और अपने दोस्त कौशिक को फोन कर बताया कि उसने नंबर एक व्यक्ति को दे दिया है। इसके बाद दोबारा फोन आया और कहा कि हमारी पहले बात हो चुकी है, व्यापारी नेपाल छोड़ने वाला है, उसने कहा कि जल्दी करो, सामान अच्छा है और पैसा भी अच्छा है, 8 अक्टूबर को दोबारा फोन आया. तुम्हारा टिकट बुक करूंगा, तुम मेरे साथ आओगे। अपू ने कहा कि अल्पेश और उसके दोस्त नीरव ने सूरत से दिल्ली और वहां से लखनऊका टिकट बुक किया था। लखनऊ से सड़क मार्ग से दोनों दोस्तों को नेपाल के नेपालगंज स्थित सोसायटी के एक मकान में ले जाया गया और पांच साथियों से मुलाकात कराई गई। 1.31 लाख और रिश्तेदारों और दोस्तों से रु। कुल 6.25 लाख रूपये मिले. 7.56 लाख की लूट हुई.

कड़ोदरा पुलिस ने पलसाणा के चलथान गांव के पास ट्रांसपोर्ट गोदाम से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस ने दो इस्मानों को वांटेड घोषित किया कडोदरा जीआईडीसी पुलिस को 16,320 पाउच विदेशी शराब, एक डीजल वैन, प्लास्टिक की थैलियां मिलीं और कुल 17.52 लाख का माल जब्त किया गया।

कड़ोदरा जीआईडीसी पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर पलसाना तालुका के चलथान गांव के बाहरी इलाके में एक परिवहन गोदाम में छिपाकर रखी गई बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की। गोदाम के किराएदार और एक वाहन चालक को पुलिस ने वांछित घोषित कर कानूनी कार्रवाई की।

कड़ोदरा जीआईडीसी पुलिस द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया कि कहीं भी विदेशी शराब न बेची जाए। मुखबिरों को लगाया गया. तब कड़ोदरा जीआईडीसी थाने के पीआई ओ.के. जाडेजा को निजी माध्यम से जानकारी मिली कि पलसाणा तालुका के चलथान गांव के बाहरी इलाके में एक परिवहन गोदाम में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब छिपाई गई है। देर रात आंधी चलने की संभावना है। गुप्त सूचना के आधार पर जब पुलिस ने रेड ट्रांसपोर्ट गोदाम में बक्सों की जांच की तो विदेशी शराब से भरे पाउच मिले.

पुलिस को सूचना देने के शक में हुई मारपीट में एक रिक्शा चालक की हत्या कर दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के लिंबायत क्रांतिनगर में पुलिस को सूचना दी,रिक्शा चालक के मोहल्ले में रहने वाले एक युवक ने विवाद में चप्पू से रिक्शा चालक की हत्या कर दी। लिम्बायत पुलिस ने कुछ ही घंटों में हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला और सूरत के लिंबायत शेलानी चौक के पास क्रांतिनगर गली नंबर 9 प्लॉट नंबर 364 पर रहने वाला रिक्शा चालक रहीम उर्फ लाला खलील शेख (उम्र 31 वर्ष) को कई तरह के नशे करने की आदत थी। ड्रग्स। पड़ोस में रहने वाले रिक्शा चालक महबूब उर्फ एसके अंसारी को भी इसकी जानकारी थी। इसलिए उसे शक था कि महबूब पुलिस को बता रहा है कि वह नशे में है। इसी बात को लेकर कल रात 10 बजे दोनों में झगड़ा हुआ। बाद में , वे अलग हो गए। हालांकि, लगभग 12.45 बजे, रहीम उर्फ लाला गली नंबर 5 में अपने दोस्तों मोहसिनोद्रिन, नईम उर्फ नया और शोहेब सैयद के साथ खड़ा था और बात कर रहा था, जब मेहबूब अपने घर से चलकर आया और रहीम ने उसे देखा। तो महबुबे रहीम उर्फ लाला के पास आई, मेरे सामने मुझे क्या देख रहे हो, मुझसे क्यों लड़ रहे हो, रहीम उर्फ लाला ने उससे कहा कि तुम पुलिस हो, महबुबे ने अपनी कमर से चप्पू निकाला और रहीम पर वार कर दिया। शरीर पर दो घाव थे, नाक पर, गाल पर, सिर के बायीं ओर कान के नीचे और दाहिने हाथ के कंधे के पास। रहीम को बचाने के लिए अपने दोस्त शोहेब के बीच आए महबूब को भी चोट लगी। दाहिने हाथ की आखिरी दो उंगलियां काटकर भाग गया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। रहीम को इलाज के लिए न्यू सिविल अस्पताल ले जाया गया। लेकिन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। फर्जी खबर की सूचना पर पहुंची लिंबायत पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मृतक रहीम के बुजुर्ग पिता की शिकायत के आधार पर महबूब के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जांच पीआई एसबी कर रहे हैं।

सामान्य बात पर हुए झगड़े के बाद हत्या की घटना के बारे में डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने बताया कि लिंबायत के क्रांति नगर इलाके में कल रात एक से डेढ़ बजे के बीच हत्या की वारदात हुई.

जिसमें रहीम शेख नाम के युवक की मौत हो गई है. मृतक रहीम शेख और उसका दोस्त मेहबूब उर्फ एस.के. रात करीब साढ़े दस बजे अंसारियों के बीच सामान्य विवाद हुआ। इसी बीच रात करीब एक से डेढ़ बजे के बीच मृतक रहीम शेख अपने अन्य दोस्तों के साथ बैठा हुआ था, उसी दौरान फिर से मेहबूब उर्फ एस.के. जब अंसारी वहां से गुजर रहा था तो दोनों के बीच हुई लड़ाई में रहीम शेख पर जानलेवा हमला हुआ और उसकी मौत हो गई. इस घटना में रहीम के साथ मौजूद सोहेल नामक युवक भी घायल हो गया.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे